• जयपुर, गुरुवार, 10 अक्टूबर 24 • वर्ष 14 • अंक 55 • पृष्ठ : 8 • मूल्य : 1 रुपये

www.chamaktarajasthan.in| Email : chamaktarajasthan8789@gmail.com

डाक पंजीयन संख्याः RJ/JPC/D19/2024-25

RNI. No. RAJHIND/2011/40950

दैनिक राज्य तथा केंद्र द्वारा मान्यता प्राप्त

सच के साथ मजबूती से बढ़ाये क़दम

चमकता राजस्थान

विज्ञापन के लिए : 93145 05000

जयपुर से प्रकाशित एवं प्रसारित

अजमेर, सीकर, झुंझनुं, सवाईमाधोपुर, चित्तौड़गढ़, बूँदी, धौलपुर, हिंडौन, भरतपुर, झालावाड़, जोधपुर, बीकानेर से प्रसारित

सुविचार

''सत्य को हज़ार तरीकों से बताया जा सकता है, फिर भी हर एक सत्य ही होगा।''

● **स्वामी विवेकानंद**

पेज @3 सार्वजनिक निर्माण विभाग अधीक्षण अभियंता वृत्त शहर जयपुर के द्वारा लाखों ...

पेज @4 जेडीए ने 14 बीघा भूमि पर नारायण सागर सहित दो अन्य नवीन अवैध...

पेज @8 जयपुर विकास आयुक्त आनन्दी की अध्यक्षता में जेडीए सभागार में आयोजित...

नहीं रहे दिग्गज उद्योगपति रतन टाटा

86 साल की उम्र में ली आखिरी सांस

मुंबई/एजेंसी

सुप्रसिद्ध उद्योगपति रतन टाटा का निधन हो गया है. वे 86 साल के थे. देश के सबसे बड़े कारोबारी ट्रस्ट टाटा संस के मानद चेयरमैन रतन टाटा मुंबई के ब्रीच कैंडी अस्पताल में भर्ती कराया गया था. बढ़ती उम्र के कारण उन्हें कई तरह की परेशानियां थीं. काफी समय से उन्हें देश के सर्वोच्च सम्मान भारत रत्न देने की मांग की जा रही थी. रतन टाटा के लिए देशभर के लोगों में असीम सम्मान था. राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी सहित कई दिग्गज नेताओं और उद्योगपतियों ने उनके निधन पर शोक जताया है. राष्ट्रपति मुर्मू ने एक्स पर लिखा, 'श्री रतन टाटा के दुखद निधन से भारत ने एक ऐसे प्रतीक को खो दिया है जिसने राष्ट्र निर्माण के साथ कॉर्पोरेट विकास और नैतिकता के साथ उत्कृष्टता का मिश्रण किया. पद्म विभूषण और पद्म भूषण से सम्मानित, उन्होंने महान टाटा विरासत को आगे बढ़ाया और इसे और अधिक प्रभावशाली वैश्विक उपस्थिति प्रदान की. उन्होंने अनुभवी पेशेवरों और युवा छात्रों को समान रूप से प्रेरित किया. परोपकार और परोपकार में उनका योगदान अमूल्य है. मैं उनके परिवार, टाटा समूह की पूरी टीम और दुनिया भर में उनके प्रशंसकों के प्रति अपनी संवेदना व्यक्त करती हूं.

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने भी रतन टाटा के निधन पर दुख जताया है. उन्होंने अपनी एक पोस्ट में रतन टाटा को दूरदर्शी बिजनेस लीडर, एक दयालु व्यक्ति और असाधारण इंसान बताया.

ढट मोदी ने एक्स पर एक पोस्ट में लिखा, ''मुझे श्री रतन टाटा जी के साथ अनगिनत बातचीत याद आ रहे हैं. जब मैं गुजरात का मुख्यमंत्री था तो मैं उनसे अक्सर मिलता था. हम विभिन्न मुद्दों पर विचारों का आदान-प्रदान करते थे. मुझे उनका दृष्टिकोण बहुत समृद्ध लगा. जब मैं दिल्ली आया तो यह बातचीत जारी रही. उनके निधन से बेहद दुख हुआ. इस दुख की घड़ी में मेरी संवेदनाएं उनके परिवार, दोस्तों और प्रशंसकों के साथ हैं.

साथ ही उन्होंने कहा, ''श्री रतन टाटा जी का सबसे अनूठा पहलू बड़े सपने देखना और दूसरों को कुछ देने के प्रति उनका जुनून था. वह शिक्षा, स्वास्थ्य सेवा, स्वच्छता, पशु कल्याण जैसे मुद्दों को आगे बढ़ाने में सबसे आगे रहे थे."

जीवन राष्ट्र के विकास के लिए समर्पित किया : अमित शाह

केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने लिखा, प्रसिद्ध उद्योगपति और सच्चे राष्ट्रवादी श्री रतन टाटा जी के निधन से गहरा दुख हुआ. उन्होंने निःस्वार्थ भाव से अपना जीवन हमारे राष्ट्र के विकास के लिए समर्पित कर दिया. जब भी मैं उनसे मिला, भारत और उसके लोगों की भलाई के प्रति उनके उत्साह और प्रतिबद्धता ने मुझे आश्चर्यचकित किया. हमारे देश और इसके लोगों के कल्याण के प्रति उनकी प्रतिबद्धता के कारण लाखों सपने साकार हुए. समय रतन टाटा जी को उनके प्यारे देश से दूर नहीं कर सकता. वह हमारे दिलों में जीवित रहेंगे.

रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने कहा, ''रतन टाटा भारतीय उद्योग जगत के एक ऐसे दिग्गज थे, जिन्हें हमारी अर्थव्यवस्था, व्यापार और उद्योग में उनके महत्वपूर्ण योगदान के लिए जाना जाता था. उनके परिवार, मित्रों और प्रशंसकों के प्रति मेरी गहरी संवेदनाएं."

रतन टाटा के निधन के समाचार से स्तब्ध हूं : नितिन गडकरी

केंद्रीय मंत्री नितिन गडकरी ने एक्स पर लिखा, ₹देश के महान सुपुत्र रतन टाटा जी के निधन का समाचार सुन कर स्तब्ध हूं. रतन टाटा जी से तीन दशकों से अधिक का अत्यंत घनिष्ट पारिवारिक संबंध रहा है. इतने बड़े व्यक्ति की सादगी, उनकी सहजता, अपने से छोटे का भी सम्मान करना, ये सारे गुण मैने काफी नज़दीक से देखे और अनुभव किए हैं. मुझे अपने जीवन में उनसे बहुत कुछ सीखने को मिला.₹

साथ ही उन्होंने कहा, ₹देश के सबसे बड़े व्यावसायी के नाते देश की अर्थव्यवस्था को मजबूत करने में, रोजगार निर्माण करने में उनका बड़ा योगदान है. वो परम देश भक्त होने के साथ साथ उसूलों पर चलने वाले इंसान थे. जितने बड़े व्यावसायी थे, उससे भी बड़े संवेदनशील समाजसेवी थे. उनके निधन से भारत ने एक आदर्श और कर्तव्यवान सुपुत्र को खोया है. ये देश रतन टाटा जी को कभी भूल नही सकता. ईश्वर दिवंगत आत्मा को शांति प्रदान करें.

कारोबारी जीवन में बुलंदियों को छुआ

रतन टाटा के नेतृत्व में टाटा समूह ने बुलंदियों को छुआ. रतन टाटा 1991 में टाटा समूह के चेयरमैन बने थे और उसके बाद से ही उन्होंने कभी पीछे मुड़कर नहीं देखा. वह 2012 तक इस पद पर रहे. उन्होंने 1996 में टाटा सर्विसेज और 2004 में टाटा कंसल्टेंसी सर्विसेज जैसी कंपनियों की स्थापना की थी.

विनम्र व्यवहार के लिए विख्यात रतन टाटा टाटा ट्रस्ट के चेयरमैन थे, जिसमें सर रतन टाटा ट्रस्ट एवं एलाइड ट्रस्ट के साथ ही सर दोराबजी टाटा ट्रस्ट एवं एलाइड ट्रस्ट भी शामिल हैं.

पद्म विभूषण और पद्म भूषण से सम्मानित

रतन टाटा का भारत के कारोबारी जगत में काफी अहम योगदान माना जाता है. उन्हें भारत के दो सर्वोच्च नागरिक पुरस्कार पद्म विभूषण (2008) और पद्म भूषण (2000) से सम्मानित किया गया था.

वह प्रतिष्ठित कैथेड्रल और जॉन कानोन स्कूल, बिशप कॉटन स्कूल (शिमला), कॉर्नेल यूनिवर्सिटी और हार्वर्ड के छात्र थे.

सहृदय, सरल और नेक व्यक्ति के रूप में पहचान

रतन टाटा का जन्म 28 सितंबर 1937 को हुआ था. उन्हें एक अरबपति होने के साथ ही एक सहृदय, सरल और नेक व्यक्ति के रूप में देखा जाता है. उनसे जुड़े ऐसे कई किस्से हैं, जो बताते हैं कि उन्होंने बहुत से लोगों की मदद की. साथ ही देश की तरक्की में भी रतन टाटा के योगदान को कभी भुलाया नहीं जा सकेगा.

टाटा को सोमवार को अस्पताल में भर्ती कराया गया था, जिसके बाद कॉर्पोरेट, राजनीतिक और आम लोगों के बीच उनके स्वास्थ्य को लेकर अटकलें तेज हो गईं. बाद में, उन्होंने एक बयान जारी कर कहा था कि वह ठीक हैं और उम्र संबंधी बीमारियों से जुड़ी जांच के लिए अस्पताल में भर्ती हुए हैं.

इसके बाद कथित तौर पर उन्हें लाइफ सपोर्ट सिस्टम पर रखा गया था, हालांकि टाटा समूह के अधिकारियों ने किसी भी बात की पुष्टि या खंडन नहीं किया था.

न्यूज अपडेट

मोदी सरकार का बड़ा फैसला, गरीबों को दिसंबर 2028 तक मिलता रहेगा मुफ्त अनाज

नई दिल्ली/एजेंसी। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की अध्यक्षता में बुधवार को केंद्रीय मंत्रिमंडल की बैठक हुई। बैठक में कई अहम फैसलों को मंजूरी दी। इनमें गरीबों को मिल रहे मुफ्त अनाज की समयसीमा बढ़ाने जाने का फैसला भी शामिल है।

केंद्रीय मंत्री अश्विनी वैष्णव ने मंत्रिमंडल की बैठक के बाद कहा, आज कैबिनेट ने फैसला किया कि दिसंबर 2028 तक गरीबों को मुफ्त अनाज मिलता रहेगा।अश्विनी वैष्णव ने कहा, कैबिनेट ने प्रधानमंत्री गरीब कल्याण योजना (पीएमजीकेएवाई) और अन्य कल्याणकारी योजनाओं के तहत जुलाई 2024 से दिसंबर 2028 तक मुफ्त फोर्टिफाइड चावल की आपूर्ति जारी रखने को मंजूरी दी। उम्मीद है कि इससे एनीमिया और सूक्ष्म पोषक तत्वों की कमी दूर होगी। इसका कुल वित्तीय भार 17,082 करोड़ रुपये होगा और इसे केंद्र सरकार द्वारा वहन किया जाएगा। उन्होंने बताया कि कैबिनेट ने गुजरात के लोथल में एक राष्ट्रीय समुद्री विरासत परिसर विकसित करने का फैसला किया। प्रस्ताव का उद्देश्य समृद्ध और विविध समुद्री विरासत को प्रदर्शित करना और दुनिया का सबसे बड़ा समुद्री विरासत परिसर बनाना है। मंत्री अश्विनी वैष्णव ने कैबिनेट की बैठक की जानकारी देते हुए कहा, पीएम मोदी ने सीमावर्ती क्षेत्रों में बुनियादी ढांचे के विकास पर जोर दिया है।

हिंदू समाज में आग लगाए रखना चाहती है कांग्रेसः पीएम मोदी

नई दिल्ली/एजेंसी।

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने बुधवार को कहा कि मुसलमानों की जाति की बात आते ही कांग्रेस के मुंह पर ताला लग जाता है लेकिन हिंदू समाज की बात आते ही वह चर्चा जाति से ही शुरू करती है क्योंकि वह जानती है कि हिंदू जितना बंटेगा, उतना ही उसका फायदा होगा। प्रधानमंत्री मोदी ने आरोप लगाया कि कांग्रेस किसी भी तरीके से हिंदू समाज में आग लगाए रखना चाहती है और भारत में जहां भी चुनाव होते हैं, वह इसी फार्मूले को लागू करती है। महाराष्ट्र में 7,600 करोड़ रुपये से अधिक लागत वाली विभिन्न विकास परियोजनाओं की वीडियो कांफ्रेंस के माध्यम से आधारशिला रखने के बाद अपने संबोधन में मोदी ने विश्वास जताया कि 'समाज को तोड़ने' की इस कोशिश को राज्य की जनता नाकाम करेगी।

● हरियाणा ने बता दिया देश का मिजाज क्या है

उन्होंने इस सरकारी कार्यक्रम में महाराष्ट्र के लोगों से देश के विकास को सर्वोपरि रखते हुए और एकजुट होकर भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) और उसके गठबंधन 'महायुति' के पक्ष में मतदान करने की अपील की। हरियाणा के चुनाव परिणामों का उल्लेख करते हुए मोदी ने कहा कि इसने बता दिया है कि आज देश का मिजाज क्या है। उन्होंने कहा, ''कांग्रेस का पूरा इकोसिस्टम, अर्बन नक्सल का पूरा गिरोह जनता को गुमराह करने में जुटा था लेकिन उसकी सारी साजिशें ध्वस्त हो गईं।

● किसानों और नौजवानों को 'भड़काने' में भी कोई कसर नहीं छोड़ी

उन्होंने कहा कि हरियाणा के दलित वर्ग ने भाजपा का रिकॉर्ड समर्थन किया तो अन्य पिछड़ा वर्ग (ओबीसी) ने भी भरोसा जताया। उन्होंने कहा कि किसानों और नौजवानों को 'भड×काने' में भी कोई कसर नहीं छोड़ी लेकिन हरियाणा की जनता ने दिखा दिया कि वह अब कांग्रेस और अर्बन नक्सल के नफरत के षड्यंत्र का शिकार नहीं होने वाली है।

बांटों और सत्ता पाओ के फार्मूले पर चलती है कांग्रेस

उन्होंने कहा, ''कांग्रेस की नीति है, हिंदुओं की एक जाति को दूसरी जाति से लड़ाओ। कांग्रेस जानती है कि जितना हिंदू बंटेगा, उतना ही उसका फायदा होगा। कांग्रेस किसी भी तरीके से हिंदू समाज में आग लगाए रखना चाहती है, ताकि वो उस पर राजनीतिक रोटियां सेंकती रहे। भारत में जहां भी चुनाव होते हैं, वहां कांग्रेस यही फॉर्मूला लागू करती है।'' प्रधानमंत्री ने आरोप लगाया कि 'हमेशा बांटों और सत्ता पाओ' के फार्मूले पर चलने वाली कांग्रेस ने बार-बार यह सिद्ध किया है कि वह एक 'गैर-जिम्मेदार' दल बन गया है। उन्होंने कहा, ''वह अभी भी देश को बांटने के लिए नए-नए विमर्श गढ़ रही है। कांग्रेस के एक भी नेता ने आज तक कभी नहीं कहा कि हमारे मुस्लिम भाई-बहनों में कितनी जातियां होती हैं। मुस्लिम जातियों की बात आते ही कांग्रेस के नेता मुंह पर ताला लगाकर बैठ जाते हैं।''

उन्होंने कहा, ''लेकिन जब हिंदू समाज की बात आती है तो कांग्रेस उनकी चर्चा जाति से ही शुरू करती है। कांग्रेस की नीति है हिंदुओं की एक जाति को दूसरी जाति से लड़ाओ। कांग्रेस जानती है जितना हिंदू बंटेगा, उतना ही उसका फायदा होगा। भारत में जहां भी चुनाव होते हैं, वहां कांग्रेस यही फार्मूला लागू करती है।'' मोदी ने कहा कि कांग्रेस सत्ता में वापसी के लिए इतनी बेचैन है कि हर रोज नफरत की राजनीति कर रही है और कांग्रेस की पुरानी पीढ़ी के नेता भी बेबस और असहाय हैं। उन्होंने कहा, ''कांग्रेस नफरत फैलाने की सबसे बड़ी फैक्ट्री बनने वाली है, यह गांधी जी(महात्मा गांधी) ने आजादी के बाद ही समझ लिया था।

बिहार में बाढ़ की स्थिति गंभीर, 16 जिलों के 4 लाख लोग प्रभावित, कोसी का जलस्राव घटा

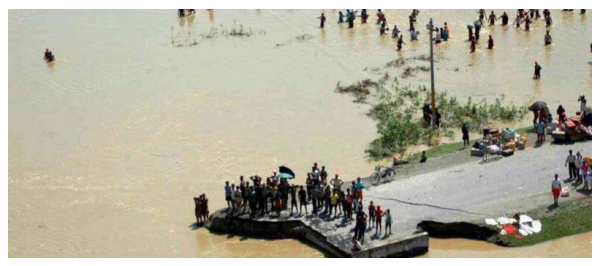

पटना/एजेंसी। बिहार में कोसी और गंडक सहित सभी प्रमुख नदियां उफान पर हैं। हालांकि, राहत वाली बात है कि वीरपुर के कोसी बैराज, वाल्मीकिनगर के गंडक बैराज पर जलस्राव में कमी आयी है। प्रदेश के 16 जिलों के 31 प्रखंड के चार लाख से अधिक लोग बाढ़ से प्रभावित हैं। जल संसाधन विभाग के मुताबिक, वीरपुर बैराज में कोसी का जलस्राव सोमवार को सुबह छह बजे 2,65,530 क्यूसेक था जबकि 10 बजे यह घटकर 2,54,385 क्यूसेक हो गया है। इसी तरह वाल्मीकिनगर बैराज में सुबह 10 बजे गंडक का जलस्राव भी 1,55,600 लाख क्यूसेक है। इस बीच, प्रदेश की सभी प्रमुख नदियां खतरे के निशान से ऊपर बह रही हैं। आपदा प्रबंधन विभाग के अनुसार, गंडक, कोसी, बागमती, महानंदा एवं अन्य नदियों के जलस्तर में हुई वृद्धि के कारण 16 जिलों पूर्वी चंपारण, पश्चिमी चंपारण, अररिया, किशनगंज, गोपालगंज, शिवहर, सीतामढ़ी, सुपौल, सिवान, मधेपुरा, मुजफ्फरपुर, पूर्णिया, मधुबनी, दरभंगा, सारण एवं सहरसा के 31 प्रखंडों में 152 ग्राम पंचायतों के अंतर्गत लगभग 4 लाख से अधिक की आबादी बाढ़ से प्रभावित हुई है।

सीएम एकनाथ शिंदे के कार्यक्रम में जा रही थी बस, 40 फीट गहरी खाई में जा गिरी, 2 महिलाएं घायल

रायगढ़/एजेंसी। महाराष्ट्र के रायगढ़ जिले में दर्दनाक सड़क हादसा देखने को मिला है। दरअसल माणगांव तहसील के मोरबे गांव में एक सड×क हादसा हुआ है। यहां मोरबे गांव में मुख्यमंत्री लाडकी बहिण योजना के कार्यक्रम में महिलाओं को लेकर जा रही एक बस मांजरोडे घाट में 40 फीट नीचे गहरी खाई में जा गिरी। इस घटना में दो महिलाएं घायल हो गई हैं। बता दें कि माणगांव में लाडकी बहिण योजना वाचनपूर्ति समारोह का आयोजन 9 अक्तूबर की दोपहर 3 बजे किया गया था। इस कार्यक्रम में मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे, उपमुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस और उपमुख्यमंत्री अजित पवार भी शामिल होने के लिए पहुंचे थे।

हरियाणा में जीतते-जीतते आखिर क्यों हार गई कांग्रेस!

हरियाणा के विधानसभा चुनाव परिणाम और रुझानों ने एक बार फिर एग्जिट पोल को झूठा साबित कर दिया । यहां भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) लगातार तीसरी बार सरकार बनाने जा रही है। हरियाणा को लेकर जारी एग्जिट पोल पर खुशी मनाते कांग्रेस नेताओं और कार्यकर्ताओं के लिए मतगणना का दिन अच्छा नहीं रहा। जम्मू-कश्मीर के चुनाव परिणाम भी कांग्रेस के लिए बहुत ज्यादा खुशी लेकर नहीं आए। नेशनल कॉन्फ्रेंस बहुमत के साथ सत्ता पर काबिज हो रही है। उमर अब्दुल्ला का मुख्यमंत्री बनना तय माना जा रहा है। भाजपा जम्मू-कश्मीर में मजबूत विपक्ष के रूप में उभरी है। कांग्रेस जम्मू-कश्मीर के चुनाव में जम्मू क्षेत्र में यदि अच्छा प्रदर्शन करती तो शायद यह पार्टी और उसके भविष्य के साथ-साथ गठबंधन की सरकार को मजबूती प्रदान करता ,लेकिन परिणाम उसके उलट ही रहे। हार के कारणों को गिने तो 10 साल से सत्ता से बाहर रही कांग्रेस के कार्यकर्ता कुछ शिथिल पड़ गए हैं। पार्टी चुनाव के लिए देर से कमर कसती है। 10 साल में राज्य में कांग्रेस, भाजपा सरकार की कमी और लोगों के मुद्दों को जोरदार ढंग से उठा नही पाई। लोकसभा चुनाव में हालांकि कांग्रेस ने बेहतर परिणाम दिए थे और हरियाणा की 10 में से पांच सीटों पर जीत दर्ज की थी। कांग्रेस के भीतर गुटबाजी ने कार्यकर्ताओं तक को एक-दूसरे से दूर रखा। इस गुटबाजी को साफ तौर पर देखा भी गया है। भूपेंद्र सिंह हुड्डा, कुमारी सैलजा और रणदीप सुरजेवाला के समर्थकों में एक राय न होना भी हार की एक वजह है। साथ ही इस पराजय की बड़ी वजह इन तीनों ही नेताओं के कार्यकर्ताओं को अपने-अपने नेताओं को सीएम पद की दौड़ में सबसे आगे देखने की होड़ भी है। सब कह रहे हैं कि यही कांग्रेस की लुटिया डूबने की वजह है। रणदीप सुरजेवाला की ओर से भले ही कोई बयान न आया हो, लेकिन हरियाणा कांग्रेस की राजनीति में वह भी एक धुरी बन गए थे। हुड्डा और सैलजा के बीच की कड़वाहट सार्वजनिक मंचों पर देखने को मिली। दोनों ही नेताओं की सीएम बनने की इच्छा उनके ही बयानों से सामने आ रही थी। हालांकि दोनों ही नेता पार्टी आलाकमान पर नेता चुनने की बात कह रहे थे लेकिन अपनी बात भी स्पष्ट रख रहे थे। कांग्रेस का सीएम पद का ऐलान न करना भी नुकसानदेह रहा। यदि पार्टी पहले से ही सीएम पद का ऐलान कर देती तो संभवतः यह गुटबाजी देखने को नहीं मिलती। कार्यकर्ताओं में जोश बराबर रहता और सभी एक नेता के नाम के साथ जनता के बीच जा सकते थे। जनता के मन में भी किसी प्रकार का कोई संशय नहीं होता।

लेकिन कांग्रेस आलाकमान अपने नेताओं की अंतर्कलह को अंत तक सुलझाने में कामयाब नहीं हो पाए। हालात कितने खराब थे इसका अंदाजा इसी बात से लगाया जा सकता है कि पार्टी के वरिष्ठ नेता एग्जिट पोल के बाद से ही अपनी-अपनी दावेदारी प्रस्तुत करने में लगे रहे, यहां तक की मतगणना के दिन भी मीडिया को दिए बयानों में कांग्रेस के सीएम पद के दावेदार अपनी कुर्सी पक्की मानकर चल रहे थे। हुड्डा तो दिल्ली का दौरा भी कर गए। दलित समाज के वोटों का सरकना भी कांग्रेस की हार का एक कारण रहा। लोकसभा चुनाव में जाट और दलित वोटों ने कांग्रेस का बेड़ा पार किया था, लेकिन अब कहा जा रहा है कि पिछले कुछ महीनों में दलित वोट एक बार फिर छिटक कर भाजपा के पाले में चला गया। राज्य में जाटों का वोट प्रतिशत करीब 22 प्रतिशत है, जबकि 20 प्रतिशत दलित वोट है। दलितों का वोट पार्टी से जाना कांग्रेस के लिए एक सदमा दे गया। राज्य में ओबीसी वोट और दलित वोट इस बार फिर भाजपा के पक्ष में गया। वैसे भी कांग्रेस का पूरा जोर जाट वोटों पर था, जिसका खामियाजा पार्टी अब हार के रूप में भुगत रही है। राज्य में इंडी अलायंस न बन पाने के कारण इसके दो घटक कांग्रेस से नाराज हो गए। राज्य में आम आदमी पार्टी, कांग्रेस से 90 सीटों में से 10 सीटों की मांग कर रही थी जबकि समाजवादी पार्टी भी राज्य में दो सीट चाह रही थी। अंतिम समय तक इन दलों में सहमति नहीं बन पाई। आम आदमी पार्टी ने नाराजगी में अपने 29 उम्मीदवारों की सूची जारी कर दी ,हालांकि उसे भी शून्य पर सिमटना पड़ा है। हालांकि आम आदमी पार्टी केवल चार सीटों पर कुछ असर डाल रही थी, लेकिन कांग्रेस का कहना है कि आम आदमी पार्टी कांग्रेस की अच्छे परफॉर्मेंस वाली सीटों की मांग कर रही थी। ऐसे में कांग्रेस के वरिष्ठ नेता भूपेंद्र सिंह हुड्डा और रणदीप सुरजेवाला ने गठबंधन के विरोध में अपनी राय व्यक्त की। पार्टी की ओर इस कार्य के लिए तैनात किए गए अजय माकन ने दोनों की बात को स्वीकारा और अंततः गठबंधन नहीं हो पाया। इस कारण आम आदमी पार्टी का दो प्रतिशत वोट कांग्रेस के हाथ से फिसल गया।

कांग्रेस को राष्ट्रीय स्तर के बाद राज्य स्तर पर आंतरिक गुटबाजी को खत्म करना चाहिए था। मगर ऐसा हो न सका। यह साफ देखा जा सकता है कि भीतरी कलह पार्टी को नुकसान पहुंचाती है और भविष्य में इस प्रकार के नुकसान से बचने के लिए पार्टी को कदम उठाने पड़ेंगे। कांग्रेस नेताओं और कार्यकर्ताओ को हर अहम मुद्दे पर लोगों के बीच जाना होगा और सरकार पर दबाव बना होगा ताकि पार्टी का रुख लोगों के सामने साफ हो सके। कांग्रेस अपने वोटों को बिखरने से बचाने के लिए कदम उठाए और नए वोटों को जोड़ने के लिए कदम उठाए। कांग्रेस की सत्ता विरोधी लहर का फायदा उठाने की क्षमता में बाधा डालने वाला एक और कारक उसकी अप्रभावी अभियान रणनीति रही। पार्टी का चुनाव अभियान काफी हद तक प्रतिक्रियात्मक था, जिसमें हरियाणा के लिए एक सम्मोहक दृष्टिकोण प्रस्तुत करने के बजाय राष्ट्रीय स्तर पर भाजपा के प्रदर्शन की आलोचना करने पर ध्यान केंद्रित किया गया। जबकि बेरोजगारी, किसान संकट और कानून व्यवस्था जैसे मुद्दे उठाए गए, कांग्रेस इन चिंताओं पर मतदाताओं से पर्याप्त रूप से जुड़ने या ठोस समाधान पेश करने में विफल रही । सत्ता विरोधी लहर का सामना करने के बावजूद, भाजपा स्थानीय वास्तविकताओं के अनुसार अपनी रणनीति को ढालकर कुछ हद तक नुकसान को कम करने में कामयाब रही। पूर्व मुख्यमंत्री मनोहर लाल खट्टर, हालांकि किसान विरोध और कानून व्यवस्था के मुद्दों से निपटने के लिए आलोचना के शिकार हुए, लेकिन साथ ही वे एक गैर-भ्रष्ट, सुलभ नेता की छवि बनाए रखने में कामयाब रहे। गैर-जाट समुदायों से उनकी अपील ने भाजपा को वोटों का एक बड़ा हिस्सा बनाए रखने में मदद की। इसके अलावा, भाजपा ने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की लोकप्रियता और राष्ट्रवादी अपील का प्रभावी ढंग से लाभ उठाया। एक मजबूत नेता के रूप में मोदी की छवि, राष्ट्रीय सुरक्षा और विकास के भाजपा के आख्यान के साथ मिलकर, शहरी और अर्ध-शहरी मतदाताओं के बीच गूंजती रही, जो स्थानीय मुद्दों से कम और राष्ट्रीय चिंताओं से अधिक प्रभावित थे। दूसरी ओर, कांग्रेस, मोदी की अपील का मुकाबला करने के लिए एक समान एकीकृत आख्यान पेश करने में असमर्थ रही। जिन कांग्रेस नेताओं को फील्ड में भेजा गया, उनमें ज्यादातर सिफारिशी थे और प्रभावहीन भी, जो कांग्रेस को हार की तरफ खींच ले गए।

बेहतर दुनिया बनाने के लिए मन को स्वस्थ करना जरूरी

ललित गर्ग

मन की स्वस्थता शरीर की स्वस्थता से भी ज्यादा जरूरी है, क्योंकि जीवन की पूर्णता, सार्थकता एवं सफलता मानसिक स्वास्थ्य पर ही निर्भर है। मन से स्वस्थ व्यक्ति ही दुनिया का सबसे धनी व्यक्ति हो सकता है। मन स्वस्थ रहे एवं आगे से आगे मानसिक स्वास्थ्य बढ़ता जाये, इसी उद्देश्य से विश्व मानसिक स्वास्थ्य दिवस हर साल 10 अक्टूबर को दुनिया भर में मनाया जाता है। यह दिवस मानसिक स्वास्थ्य पर प्रकाश डालने, मानसिक स्वास्थ्य मुद्दों के बारे में जागरूकता बढ़ाने और मानसिक स्वास्थ्य समस्याओं का सामना करने वाले लोगों का समर्थन करने के प्रयासों को प्रोत्साहित करने के लिए मनाया जाता है। इस दिवस का महत्व मानसिक स्वास्थ्य को वैश्विक प्राथमिकता बनाने के अपने मिशन में निहित है। यह दिन मानसिक स्वास्थ्य के बारे में खुली बातचीत को प्रोत्साहित करने और मानसिक स्वास्थ्य के लिए पहल को बढ़ावा देने के लिए एक मंच के रूप में कार्य करता है। विश्व मानसिक स्वास्थ्य महासंघ ने विश्व मानसिक स्वास्थ्य दिवस 2024 के लिए थीम 'कार्यस्थल पर मानसिक स्वास्थ्य' की घोषणा की है। मानसिक स्वास्थ्य मानसिक तंदुरुस्ती की एक ऐसी स्थिति है जो लोगों को जीवन के तनावों से निपटने, अपनी क्षमताओं को पहचानने, अच्छी तरह से सीखने और काम करने तथा अपने समुदाय में योगदान करने में सक्षम बनाती है। यह स्वास्थ्य और तंदुरुस्ती का एक अभिन्न अंग है जो निर्णय लेने, संबंध बनाने और जिस दुनिया में हम रहते हैं उसे आकार देने की हमारी व्यक्तिगत और सामूहिक क्षमताओं को रेखांकित करता है।

सुरक्षित, मनोरम, हास्यवर्द्धक, भाररहित, सहायक कार्य वातावरण मानसिक स्वास्थ्य को बनाए रखने में सुरक्षात्मक भूमिका निभाते हैं। हालाँकि भेदभाव, उत्पीड़न, असुरक्षित और खराब कार्य स्थितियों जैसी अस्वस्थ स्थितियाँ मानसिक स्वास्थ्य के लिए गंभीर खतरे पैदा कर सकती हैं। ये चुनौतियाँ जीवन की समग्र गुणवत्ता, कार्य भागीदारी और उत्पादकता पर नकारात्मक प्रभाव डाल सकती हैं। भारतीय परिप्रेक्ष्य में कार्यस्थल पर मानसिक स्वास्थ्य को ताजा करने और एक स्वस्थ और खुशहाल कार्य वातावरण बनाने की ज्यादा अपेक्षा है। शोध के अनुसार, 6 व्यक्तियों में से 1 व्यक्ति कार्यस्थल पर मानसिक स्वास्थ्य समस्याओं का अनुभव करता है और हर साल 12 बिलियन कार्य दिवस अवसाद, तनाव और चिंता के कारण बर्बाद हो जाते हैं। देश में कार्यस्थलों में बेहतर मानसिक स्वास्थ्य सहायता की स्पष्ट आवश्यकता है, जिससे न केवल व्यक्ति को बल्कि संगठन को भी लाभ होगा। वास्तव में, जो कर्मचारी खुश रहते हैं वे 13 प्रतिशत अधिक उत्पादक होते हैं, इसलिए मानसिक स्वास्थ्य सहायता प्रदान करना व्यावसायिक रूप से समझदारी है। मानसिक स्वास्थ्य व्यक्तिगत, पारिवारिक, सामाजिक एवं राष्ट्रीय विकास की प्राथमिकता है। जैसे शरीर की सफाई दिन में कई बार आवश्यक है, वैसे ही मन की सफाई कई बार होनी चाहिए। मिल या अन्य औद्योगिक ईकाइयों में काम करने वालों का कपड़ा थोड़ा-थोड़ा करके शाम तक खराब हो जाता है, वैसे ही मन भी कार्यस्थलों पर तरह-तरह के संकटों, तनावों एवं परेशानियों से खराब होता है। इसके लिये लंबी, गहरी सांस से मानसिक स्वास्थ्य की क्षमता बढ़ाई जा सकती है। मन से लड़े नहीं, बल्कि उसे समझाएं। प्रमोदभाव-गुणात्मक दृष्टि का विकास करें। मन को वॉचमैन बनाकर रखिये। क्योंकि जीने का वास्तविक अर्थ है हर पल स्वयं के द्वारा स्वयं का निरीक्षण। देखना है कि मन कब राग-द्वेष, तनाव, अवसाद, विकास एवं कुंठाग्रस्त हो रहा है। कार्यस्थल पर मानसिक स्वास्थ्य एक महत्वपूर्ण मुद्दा बनता जा रहा है। कार्यस्थल पर बढ़ते तनाव और उससे जुड़ी मानसिक स्वास्थ्य समस्याओं के साथ, नियोक्ताओं के लिए अपने कर्मचारियों के मानसिक स्वास्थ्य को पहचानना और उसे प्राथमिकता देना महत्वपूर्ण है। अध्ययनों से पता चला है कि कार्यस्थल पर ज्यादा से ज्यादा कर्मचारी दबाव और तनाव महसूस कर रहे हैं और इसकी संख्या बढ़ती जा रही है। 55 प्रतिशत कर्मचारियों को लगता है कि उनका काम ज्यादा तीव्र और मांग वाला होता जा रहा है। इसके अलावा, शोध से पता चलता है कि ब्रिटेन के पाँच में से एक कर्मचारी ने कार्यस्थल पर तनाव और दबाव को प्रबंधित करने में असमर्थता महसूस की। लगभग ऐसी ही स्थितियां भारत में भी देखने को मिल रही है। भारी कार्यभार, तंग समय सीमा और सहायता की कमी जैसे तनाव कर्मचारियों में चिंता, तनाव, अवसाद और बर्नआउट का कारण बन सकते हैं। कई कर्मचारी कमजोर समझे जाने, संभावित रूप से अपनी नौकरी खोने या मानसिक स्वास्थ्य समस्याओं से जुड़ी परेशानियों के कारण मानसिक स्वास्थ्य के बारे में बात करने से डरते हैं। नियोक्ता अपने कर्मचारियों के बीच मानसिक स्वास्थ्य समस्याओं की आम बात को तेजी से पहचान रहे हैं और कर्मचारियों को उनके मानसिक स्वास्थ्य को समझने और प्रबंधित करने में मदद करने के लिए प्रयास कर रहे हैं।

भारत में नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ मेंटल हेल्थ एंड न्यूरो-साइंसेज के आँकड़ों के अनुसार, ज्ञान की कमी, मानसिक बीमारी के कलंक और देखभाल की उच्च लागत जैसे कई कारणों की वजह से 80 प्रतिशत से अधिक लोगों की देखभाल सेवाओं तक पहुँच नहीं है। वर्ष 2012-2030 के दौरान मानसिक स्वास्थ्य स्थितियों के कारण 1.03 ट्रिलियन अमेरिकी डॉलर का आर्थिक नुकसान होने का अनुमान है। भारत में मानसिक स्वास्थ्य के मुद्दों को प्रायः कलंकित किया जाता है और गलत समझा जाता है। कई व्यक्ति एवं परिवार सामाजिक भेदभाव के डर और मानसिक स्वास्थ्य स्थितियों के बारे में जागरूकता की कमी के कारण मदद लेने से झिझकते हैं। स्त्रियों एवं पुरुषों के मानसिक स्वास्थ्य में असमानताओं में उनके लैंगिक भिन्नताओं की महत्त्वपूर्ण भूमिका होती है। भारत में महिलाओं को अवसाद, चिंता और घरेलू हिंसा का सामना करना पड़ता है तथा उनके पास मदद मांगने हेतु स्वायत्तता अक्सर सीमित होती है। गरीबी और आर्थिक असमानता मानसिक स्वास्थ्य संबंधी समस्याओं की वृद्धि में योगदान देती है। वित्तीय अस्थिरता के चलते तनाव और शैक्षिक अवसरों की सीमितता भी मानसिक स्वास्थ्य पर प्रभाव डाल सकती है। मानसिक और शारीरिक स्वास्थ्य समग्र स्वास्थ्य के समान रूप से महत्वपूर्ण घटक हैं। उदाहरण के लिए, अवसाद कई प्रकार की शारीरिक स्वास्थ्य समस्याओं, विशेष रूप से मधुमेह, हृदय रोग और स्ट्रोक जैसी दीर्घकालिक स्थितियों के जोखिम को बढ़ाता है। इसी तरह, पुरानी स्थितियों की उपस्थिति मानसिक बीमारी के जोखिम को बढ़ा सकती है। प्रतिकूल बचपन के अनुभव, जैसे आघात या दुर्व्यवहार का इतिहास उदाहरण के लिए, बाल दुर्व्यवहार, यौन उत्पीड़न, हिंसा देखना, आदि। अन्य चल रही दीर्घकालिक चिकित्सा स्थितियों से संबंधित अनुभव, जैसे कि दर्दनाक मस्तिष्क की चोट, कैंसर, या मधुमेह। मस्तिष्क में जैविक कारक या रासायनिक असंतुलन, शराब या नशीली दवाओं का उपयोग, अकेलेपन या अलगाव की भावना होना आदि मानसिक स्वास्थ्य को प्रभावित करते हैं। मन को बीमार करने के ये कुछ कारण है। मन हमारे व्यक्तित्व का दर्पण है। मन अच्छा है तो मानव अच्छा है। मन बुरा है तो मानव बुरा है। हम दुनिया से भाग सकते हैं, उसे वश में कर सकते हैं, परन्तु मन से भागना और उसे वश में करना कठिन है। मन की सरलता सुख है और उसकी कुटिलता दुख है। मानसिक रोगों से ग्रस्त व्यक्ति मन को धैर्य के साथ, आत्मीयता के साथ समझे, उसे शांत करें। मन को सीरियस रोगी न बनायें। बाहरी प्रदूषण को मिटाने का प्रयास प्रशासन कर सकता है, किन्तु मन के प्रदूषण को मन का शासन, खुद पर खुद का शासन ही मिटा सकता है।

भारत में वृद्धों की जनसंख्या में तीव्र वृद्धि को देखते हुए उनके लिये बेहतर मानसिक स्वास्थ्य सहायता सुनिश्चित करने की आवश्यकता है। अकेलापन, अवसाद और मनोभ्रंश अधिक उम्र के वयस्कों के बीच आम चिंताएँ हैं। प्राकृतिक आपदाओं तथा अन्य दर्दनाक घटनाओं का मानसिक स्वास्थ्य पर स्थायी प्रभाव पड़ सकता है। भारत बाढ़ और भूकंप जैसी आपदाओं के प्रति काफी संवेदनशील है, इसके कारण मानसिक आघात तथा अभिघात-उपरांत तनाव विकार हो सकता है। विशेष रूप से ग्रामीण और वंचित क्षेत्रों में अधिक मानसिक स्वास्थ्य क्लीनिक और सुविधाओं के निर्माण में निवेश करना चाहिये। मनोचिकित्सकों, मनोवैज्ञानिकों और परामर्शदाताओं सहित अधिक मानसिक स्वास्थ्य पेशेवरों को प्रशिक्षित करना और उनकी भर्ती करना जरूरी है। शहरी और ग्रामीण क्षेत्रों के बीच विषमता को पाटने तथा पहुँच बढ़ाने के लिये टेलीमेडिसिन एवं ऑनलाइन मानसिक स्वास्थ्य सेवाओं को बढ़ावा देना चाहिये।

बढ़ती सुख-सुविधाओं की लालसा ने मनुष्य का सुकून छीना

डॉ. प्रितम भि. गेडाम

आज के आधुनिक जीवनशैली में तेजी से उभरने वाला विकार मानसिक तनाव है, जो हम हमेशा लोगों के व्यवहार से अनुभव करते है, विभिन्न परिस्थितियों में खुद में भी बहुत बार तनाव महसूस होता है। लोगों द्वारा किया गया दुर्व्यवहार, दुःख, परेशानी में इंसान को हमेशा मन में डर सताता है, चिंता होती है, नकारात्मक विचार और बुरे ख्याल मन में बैठ जाते है। घटित बुरी घटनाओं की यादें हमें हरदम झंझोड़ देती है। दिन भर में दस अच्छी और एक बुरी खबर में अच्छी खबर को नजरअंदाज कर हमें केवल वह एक बुरी घटना ही परेशान करती है। जबकि उस एक बुरी खबर का हमारे जीवन में कोई विशेष अस्तित्व भी नहीं होता। लेकिन मनुष्य बेमतलब की बात को तूल देकर खुद के मन और तन को विकार देता है। अपने मन पर खुद का नियंत्रण न होना ही समस्या की मूल जड़ है। तनाव बढ़ाने से या खुद के टेंशन लेने के समस्याओं का कभी हल नहीं निकलता है। तनाव खत्म होगा हमारे सकारात्मक विचार और सफल प्रयास से। सभी प्राणियों में मनुष्य को सबसे बुद्धिमान माना जाता है, मनुष्य ने विज्ञान के क्षेत्र में बहुत तरक्की कर ली है, आज के आधुनिक वातावरण में जहां देखने को तो खूब सुख-सुविधाएं दिखाई पड़ती है, परंतु इस आधुनिकता में मनुष्य ने अपना सुख-चैन, स्वाभाविकता, भोलापन, मासूमियत खो दिया, सुकून महसूस नहीं होता। भौतिक सुख को ही हमनें सब कुछ मान लिया है, और यहाँ तक कि हम इंसानियत को भी भूलकर पैसों के पीछे पागल हो गए। मानव से मानवता और इंसान से इंसानियत शब्द बना है, इसी शब्द की सार्थकता अनुरूप हर मनुष्य का आचरण होना चाहिए, परंतु मनुष्य बहुत नीचे गिर गया है। बहुत बार लोगों का स्वार्थ देखकर ऐसा लगता है कि इनसे बेहतर तो पश-पक्षी है, जो खुद के फायदे के लिए दुसरो को तबाह नहीं करते है। आज की युवापीढ़ी तो रात को जागती है और दिन में आराम फरमाती है, घर में कम और बाहर ज्यादा खाते है, लोगों की नसीहत भी गाली लगती है, नीतिनियम, रोक टोक को पाबंदी मानते हैं। सोशल मीडिया और ऑनलाइन गेम ने तो हमें लत लगा दी है। जिम्मेदारियों के बोझ का अहसास जिन्हे होता है वहीं मेहनत को अपना कर्म बना लेते है तब उम्र भी मायने नहीं रखती है। अपराध, भ्रष्टाचार, पद और सत्ता का दुरुपयोग, प्रदूषण, मिलावटखोरी, हर ओर राजनितिक हस्तक्षेप, अश्लीलता, झूठ, झूठा दिखावा, भेदभाव, धोखा, नशाखोरी, लोभ, संस्कारहीन व्यवहार, ईर्ष्या भाव ऐसे दूषित वातावरण में मानसिक शांति मिलना ढोंग है। लोगों की लापरवाही भी मनुष्य के लिए सिरदर्द का कारण बनता है, हर क्षेत्र में सरकारी कर्मचारियों की कमी की समस्या की सजा आम जनता को भुगतनी पड़ती है। उदाहरण के लिए ट्रैफिक पुलिस की कमी के कारण शहरों में खुलेआम ट्रैफिक नियमों का उल्लंघन बड़ी परेशानी है। हर जगह, हर क्षेत्र, कार्यालय, हर रिश्ते-नाते में कुछ लोग ऐसे मिल जायेंगे जो दुनिया में केवल दूसरों को परेशान करने के लिए मौजूद है। क्योंकि ये सब तो दुनियां में अशांति और अराजकता के वाहक है, बहुत से लोग इससे जुड़ी समस्याओं से प्रभावित है, लेकिन सिर्फ यही हमारा पूरा संसार नहीं है, लोगों ने क्या किया इससे बेहतर है कि हमने क्या किया? यह समझें। दुनिया में केवल समृद्ध प्रकृति, अच्छे कर्म और समाधान ही मानसिक सुख का आधार बन सकते है। मानसिक तनाव हमारे द्वारा ही तैयार किया गया खुद के लिए विकार है, इसलिए समस्या का हल खोजें, परेशान न हों। मानसिक तनाव के निर्माता अधिकतर हम खुद होते है। हमारा व्यवहार भी इसके लिए उत्तरदायी है जैसे : दूसरों पर ज्यादा भरोसा, बुरी आदतें, जल्दी हिम्मत हारना, खुद को कमजोर बेबस मानना, आलस्य, आधुनिक दिनचर्या का अवलंबन, नीतिनियम की कमी, गलत जिद, मार्गदर्शन की कमी, लोग क्या कहेंगे सोचकर डरते रहना, नया कुछ सीखने से डरना ऐसी बहुत सी बातें हमें मानसिक रूप से बीमार बनाती है। अगर हम सत्य की राह पर चल रहे हैं तो कभी भी लोकलाज की न सोचें। जीवन को आसान बनाकर जिंदादिली से जियें।

पश्चिमी देशों के युद्ध पर्यावरण और मानवता के लिए संकट

डॉ. रघुराज प्रताप सिंह

पश्चिमी देशों का युद्ध पर्यावरण और मानवता के लिए सबसे बड़ा संकट है। पश्चिमी देशों के बीच युद्धों का इतिहास केवल भूमि और शक्ति की लड़ाई नहीं है, बल्कि यह मानवता और पर्यावरण पर भी गहरा प्रभाव डालता है। इन युद्धों के परिणाम स्वरूप न केवल जनसंख्या में हानि होती है, बल्कि प्राकृतिक संसाधनों, पारिस्थितिकी तंत्र और जलवायु पर भी विनाशकारी प्रभाव पड़ता है। इस विषय पर गहराई से ध्यान देने की आवश्यकता है। क्योंकि युद्ध केवल मानव जीवन को ही नहीं, बल्कि समग्र पारिस्थितिकी को भी प्रभावित करता है।

युद्ध के दौरान होने वाले सैन्य अभियानों से उत्पन्न होने वाले प्रदूषण और विनाशकारी गतिविधियों का पर्यावरण पर गंभीर प्रभाव पड़ता है। नदियों, जंगलों, और भूमि का अपघटन होता है। टैंक, बम, और अन्य सैन्य उपकरणों के उपयोग से मिट्टी और जल में जहरीले रसायनों का मिलना आम बात है। उदाहरण के लिए, वियतनाम युद्ध के दौरान "एजेंट ऑरेंज" का प्रयोग किया गया, जिसने न केवल मानव स्वास्थ्य पर गंभीर प्रभाव डाला, बल्कि वन्य जीवन और पारिस्थितिकी तंत्र को भी स्थायी रूप से क्षति पहुँचाई।

युद्ध के कारण जलवायु परिवर्तन को भी बढ़ावा मिलता है। सैन्य गतिविधियाँ, जैसे कि बमबारी, वायु-उड़ान, और अन्य युद्ध संबंधित कार्य, ग्रीन हाउस गैसों के उत्सर्जन में योगदान करते हैं। पश्चिमी देशों के बीच की लड़ाइयाँ, जैसे इराक और अफगानिस्तान में युद्ध, जलवायु संकट को और बढ़ाने का कार्य करती हैं। यह न केवल वर्तमान पीढ़ी, बल्कि भविष्य की पीढ़ियों के लिए भी गंभीर संकट उत्पन्न करता है। युद्ध का मानवता पर भी गहरा असर पड़ता है। युद्ध के कारण लोगों की मौत, विस्थापन, और मनोवैज्ञानिक तनाव जैसी समस्याएं आम हैं। लाखों लोग अपने घरों से भागने को मजबूर होते हैं, जिससे शरणार्थियों का संकट उत्पन्न होता है। युद्ध प्रभावित क्षेत्रों में बुनियादी सेवाएं, जैसे स्वास्थ्य, शिक्षा और पोषण, नष्ट हो जाती हैं। यह मानवता के लिए एक गंभीर संकट है, जो न केवल वर्तमान में बल्कि दीर्घकालिक रूप से भी समाज को प्रभावित करता है।

युद्ध के दौरान प्राकृतिक संसाधनों का दोहन किया जाता है। युद्ध में विजयी पक्ष अक्सर संसाधनों को अपने लाभ के लिए इस्तेमाल करता है। तेल, खनिज, और जल जैसे महत्वपूर्ण संसाधनों पर नियंत्रण के लिए संघर्ष होते हैं। यह न केवल उस क्षेत्र की अर्थव्यवस्था को प्रभावित करता है, बल्कि वैश्विक बाजारों में भी अस्थिरता पैदा करता है। पश्चिमी देशों के युद्धों का मुख्य कारण अक्सर इन संसाधनों का नियंत्रण होता है।

समाधान और जागरूकता

समय की आवश्यकता है कि युद्ध के प्रभावों को कम करने के लिए जागरूकता बढ़ायी जाये। वैश्विक स्तर पर एकजुटता की आवश्यकता है ताकि पर्यावरण और मानवता को बचाने के लिए ठोस कदम उठाए जा सकें। शिक्षण संस्थानों, ठक्क्डर और सरकारी एजेंसियों को एक साथ आकर युद्धों के पर्यावरणीय और मानवता पर प्रभावों के बारे में जन जागरूकता फैलाने की आवश्यकता है।

निष्कर्ष यह है कि पश्चिमी देशों के युद्ध केवल शक्ति और भूमि की लड़ाई नहीं हैं, बल्कि ये एक व्यापक पर्यावरणीय और मानवता संकट है। हमें इन संकटों का सामना करने के लिए एकजुट होना होगा। पर्यावरण की रक्षा और मानवता के कल्याण के लिए हमें समर्पित प्रयास करने होंगे। हमें समझना होगा कि युद्ध से केवल विनाश होता है, और शांति ही सच्चा मार्ग है। इसलिए, यह आवश्यक है कि हम युद्ध के पर्यावरणीय और मानवीय प्रभावों को समझें और एक स्थायी भविष्य की दिशा में कदम बढ़ाएँ।

(लेखक पीपल मैन के नाम से विख्यात हैं व पर्यावरणविद हैं।)

धार्मिक असहिष्णुता का उदय : धर्मनिरपेक्षता पर प्रभाव का विश्लेषण

जितेंद्र कुमार सिन्हा

महागौरी की वाहन बैल और सिंह दोनों ही हैं- नवरात्र के आठवें दिन होती है आराधना-पूजा। नवरात्र के नौ दिनों की आराधना क्रम में आठवां दिन मां महागौरी की आराधना-पूजा होगी। नवरात्र के पहले दिन से सातवें दिन तक देवी दुर्गा की शैलपुत्री, ब्रह्मचारिणी, चंद्रघंटा, मां कुष्मांडा, मां स्कंदमाता, मां कात्यायनी और मां कालरात्रि की पूजा हो चुकी है। अब अंतिम दो दिन मां महागौरी और मां सिद्धिदात्री की दिव्य रूप की पूजा होगी। नवरात्र के आठवें (अष्टमी) दिन मां दुर्गा का आठवां स्वरूप महागौरी की पूजा आराधना होगी। अष्टमी तिथि को कुंवारी पूजा के नाम से और महा अष्टमी जिसे दुर्गा अष्टमी के नाम से भी जाना जाता है।

महागौरी का वर्ण पूर्णतः गौर है। इस गौरता की उपमा शंख, चंद्र और कुंद के फूल से दी गई है। इनकी आयु आठ वर्ष की मानी गई है- 'अष्टवर्षा भवेद् गौरी।' इनके समस्त वस्त्र एवं आभूषण आदि भी श्वेत हैं। मां महागौरी की चार भुजाओं में, ऊपर के दाहिने हाथ में त्रिशूल और नीचे वाले दाहिने हाथ वर-मुद्रा में हैं, वहीं ऊपर वाले बाएं हाथ अभय मुद्रा में और नीचे के बाएं हाथ में डमरू हैं। मां महागौरी की मुद्रा अत्यंत शांत है। मां महागौरी देवताओं की प्रार्थना पर हिमालय की श्रृंखला में शाकंभरी के नाम से प्रकट हुई थी। नवदुर्गा का सबसे दीप्तिमान और सुंदर रूप है महागौरी। महा शब्द का अर्थ है महान और गौरी शब्द का अर्थ उज्वल या गोरा, इसलिए इनका नाम महागौरी पड़ा। वह दयालु, देखभाल करने वाली और अपने सभी भक्तों की गहरी इच्छाओं को पूरा करने के लिए जानी जाती है। यह भी माना जाता है कि मां महागौरी हर तरह के दर्द और पीड़ा से राहत देती हैं और अपने भक्तों की सभी मनोकामनाएं पूरी करती है। जो स्त्री मां महागौरी की पूजा भक्ति भाव सहित करती हैं उनके सुहाग की रक्षा देवी स्वयं करती हैं। अष्टमी तिथि के दिन मां महागौरी को नारियल का भोग लगाना चाहिए फिर नैवेद्य रूप का वह नारियल ब्राह्मण को दे देना चाहिए।

मां महागौरी ने देवी पार्वती के रूप में भगवान शिव को पति-रूप में प्राप्त करने के लिए कठोर तपस्या की थी। एक बार भगवान शिव ने माता पार्वती जी को देखकर कुछ कह देते हैं। जिससे देवी का मन आहत होता है और पार्वती जी तपस्या में लीन हो जाती हैं। इस प्रकार वर्षों तक कठोर तपस्या करने पर जब माता पार्वती जी नहीं आती हैं तो, माता पार्वती जी को खोजते हुए भगवान शिव उनके पास पहुंचते हैं, वहां माता पार्वती जी को देखकर आश्चर्य चकित रह जाते हैं। माता पार्वती जी का रंग अत्यंत ओजपूर्ण होता है, उनकी छटा चांदनी के समान श्वेत और कुंद के फूल के समान धवल दिखाई पड़ती है, उनके वस्त्र और आभूषण से प्रसन्न होकर देवी उमा को गौर वर्ण का वरदान देते हैं। वहीं दूसरी कथा अनुसार, भगवान शिव को पति रूप में पाने के लिए माता पार्वती जी ने कठोर तपस्या की थी, जिससे माता पार्वती जी का शरीर काला पड़ जाता है। माता पार्वती जी की तपस्या से प्रसन्न होकर भगवान शिव इन्हें स्वीकार करते हैं और भगवान शिव जी इनके शरीर को गंगा-जल से धोते हैं तब देवी विद्युत के समान अत्यंत कांतिमान गौर वर्ण की हो जाती हैं तथा तभी से इनका नाम गौरी पड़ा। महागौरी रूप में देवी करूणामयी, स्नेहमयी, शांत और मृदुल दिखती हैं। देवी के इस रूप की प्रार्थना करते हुए देव और ऋषिगण कहते हैं-

''सर्वमंगल मंगल्ये, शिवे सर्वार्थ साधिके।
शरण्ये त्र्यम्बके गौरि नारायणि नमोस्तुते''।।

माता पार्वती जी से संबंधित एक अन्य कथा भी प्रचलित है, जिसके अनुसार, एक सिंह काफी भूखा था, वह भोजन की तलाश में वहां पहुंचा जहां देवी उमा तपस्या कर रही होती हैं। देवी को देखकर सिंह की भूख बढ़ गयी परंतु वह देवी के तपस्या से उठने का इंतजार करते हुए वहीं बैठ गया। इस इंतजार में वह काफी कमजोर हो गया। देवी जब तप से उठी तो सिंह की दशा देखकर उन्हें उस पर बहुत दया आती है और माता पार्वती जी उसे अपना सवारी बना लेती हैं, क्योंकि एक प्रकार से उसने भी माता पार्वती के साथ तपस्या की थी। इसलिए देवी गौरी का वाहन बैल और सिंह दोनों ही हैं। एक अन्य कथा के अनुसार दुर्गम दानव के अत्याचारों से संतप्त जब देवता भगवती शाकंभरी की शरण मे आये तब माता ने त्रिलोकी को मुग्ध करने वाले महागौरी रूप का प्रादुर्भाव किया। यही माता महागौरी आसन लगाकर शिवालिक पर्वत के शिखर पर विराजमान हुई और शाकंभरी देवी के नाम से उक्त पर्वत पर उनका मंदिर बना हुआ है यह वही स्थान है जहां देवी शाकंभरी ने महागौरी का रूप धारण किया था। नवरात्रि की अवधि में मां महागौरी का ध्यान, स्मरण, पूजन-आराधना भक्तों के लिए सार्वधिक कल्याणकारी होता है। इनकी कृपा से अलौकिक सिद्धियों की प्राप्ति होती है। पुराणों में मां महागौरी की महिमा का प्रचुर आख्यान किया गया है। ये मनुष्य की वृत्तियों को सत्य की ओर प्रेरित करके असत्य का विनाश करती हैं।

मन्त्र

येथे सम श्वेताम्बरधरा शुचिः।
महागौरी शुभंदद्यान्महादेव।।

संक्षिप्त समाचार

प्रज्ञा बुद्ध विहार में मनाया जायेगा विजयदशमी का पर्व

चमकता राजस्थान। भरतपुर,(राजवीर सिंह) प्रज्ञा बुद्ध विहार विकास नगर भरतपुर पर धम्माचारी श्रवणवीर के नेतृत्व में बैठक का आयोजन किया गया। जिसमे आने वाली विजयदशमी में दिनांक 12 अक्टूबर 24 को प्रात 9 बजे से 11 बजे तक धम्मदेशना धम्माचारी श्रवणवीर द्वारा देने का कार्यक्रम रख कर पायस वितरण किया जायेगा। जिसमें सभी उपासक उपासिकाओ के लिए एक ड्रेस कोड सफेद वस्त्र मे आने का प्रस्ताव लिया गया। जिसकी विहार की तैयारी पूर्ण करने के लिए ज्ञान सिंह के नेतृत्व में कमेठी का गठन किया गया और प्रचार प्रसार के लिए विजय सिंह के नेतृत्व में कमेठी का गठन किया इस बैठक में सतीश स्टोन,बीरेंद्र सिंह,तेजपाल, परसादीलाल, विजय सिंह, मुकेश पिप्पल,गिर्राज सिंह,विजय सिंह हथेनी,बच्चू सिंह वैध,ज्ञान सिंह, अतर सिंह ,अमर सिंह,मोहन सिंह और योगेश ठेकेदार उपस्थित थे

ब्लड टीम रूपवास का ग्रामीणों ने किया स्वागत सम्मान

चमकता राजस्थान। भरतपुर (राजवीर सिंह)। रूंध रूपवास के गांव श्रीनगर के ग्राम वासियों ने ब्लड हेल्प टीम रूपबास की टीम ग्रामीण स्तर पर माला एवं साफा पहनाकर सम्मानित किया। और कहां की आपको तन मन धन से हम साथ खड़े हैं और कहां आपकी टीम इसी तरह सर्व समाज की हेल्प करती रहे एक दिन आपकी टीम जिला ही नहीं स्टेट लेवल पर जाएगी जिसमें ब्लड हेल्प टीम रूपवास के संस्थापक धीरज गुलशन ने कहा मैं और मेरी टीम हमेशा सर्व समाज के लिए ब्लड की जब-जब जरूरत पड़ेगी मैं आधी रात पर सबसे पहले खड़ा मिलूंगा। हमारे ब्लड हेल्प टीम की एक बूंद से किसी की जिंदगी बच जाए यह मेरे लिए ओर मेरी ब्लड हेल्प टीम रूपवास के लिए बहुत ही खुशी की बात होगी जिसमें ब्लड हेल्प टीम अध्यक्ष प्रमोद कुमार. ब्लड हेल्प टीम संस्थापक धीरज गुलशन श्रीनगर, ब्लड हेल्प टीम उपाध्यक्ष लाल सिंह, ब्लड हेल्प टीम सदस्य बदन सिंह, बहादुर डीलर,अंकित पिंगोरिया, राहुल कुमार, हेमराज, कार्यकारिणी सदस्य राज, ब्लड हेल्प टीम सदस्य दीपेश, अंकुर वर्मा, भूपेंद्र, अर्जुन सिंह, प्यारेलाल, हरिओम, बहादुर सिंह, महेश, राजेंद्र, अमित कुमार उंदेरिया, यशपाल, वा समस्त ग्रामवासी मौजूद रहे

वैर अग्रवाल समाज के ओमप्रकाश अध्यक्ष नियुक्त

चमकता राजस्थान। वैर (राजवीर सिंह)। 8 अक्टूबर को अग्रवाल समाज वैर के चुनाव श्री दाउजी मन्दिर में सम्पन्न हुए, जिसमें अध्यक्ष पद पर लगातार तीसरी बार ओमप्रकाश अजरौदा को निर्वाचित किया गया, महामंत्री रामभरोसी बंडा, कोषाध्यक्ष राजेन्द्र प्रसाद मंगल को निर्विरोध निर्वाचित किया गया,अध्यक्ष ओमप्रकाश ने बताया कि समाज के सभी सम्मानीय गणों के मार्ग दर्शन व युवा शक्ति को साथ लेकर सर्व समाज हित को ध्यान मे रखते हुए काम करने का भर-कश प्रयास किये जाऐंगे,मीटिंग में महेश गोयल, श्याम गुप्ता, खेमा टीडी,लोकेश अग्रवाल बन्डा, छैल बिहारी,गोयल,लक्ष्मी नारायण गर्ग,गोपालराम सिघंल, आदि समाज के लोग उपस्थित रहे

सचिव जिला विधिक सेवा प्राधिकरण रेखा यादव ने किया वृद्धाश्रम का निरीक्षण, दिये आवश्यक निर्देश

चमकता राजस्थान। धौलपुर(रामदास तरुण)। जिला धौलपुर में सदस्य सचिव, राजस्थान राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण जयपुर के निर्देशानुसार एवं अध्यक्ष जिला विधिक सेवा प्राधिकरण (जिला एवं सेशन न्यायाधीश) धौलपुर सतीश चंद के मार्गदर्शन में रेखा यादव, सचिव जिला विधिक सेवा प्राधिकरण धौलपुर द्वारा हाऊसिंग बोर्ड धौलपुर में स्थित वृद्धाश्रम का निरीक्षण किया गया! तथा वृद्धाश्रम में आवासित वरिष्ठजनों से रूबरू होकर उनकी समस्याओं का जायजा लिया। निरीक्षण के दौरान उन्होंने वृद्धाश्रम में आवासित वरिष्ठ नागरिकों को प्रदान की जाने वाली मूलभूत सुविधाओं साफ-सफाई, स्वच्छ पेयजल, भोजन, आवास, चिकित्सीय सुविधाओं इत्यादि का जायजा लिया गया, तथा इस दौरान उन्होंने वृद्धाश्रम के कमरों, रसोई घर, शौचालय, स्नान गृह इत्यादि का भी अवलोकन किया तथा उपस्थित स्टाफ को आवश्यक दिशा-निर्देश दिये।

सार्वजनिक निर्माण विभाग अधीक्षण अभियंता वृत्त शहर जयपुर के द्वारा लाखों रुपये के जॉब नंबर दिये जाने के बाद भी पीडब्ल्यूडी कैंपस का हाल बेहाल

ज़िम्मेदार कौन ?

चमकता राजस्थान

जयपुर। सार्वजनिक निर्माण विभाग अधीक्षण अभियंता वृत्त शहर जयपुर की लापरवाही से सार्वजनिक निर्माण विभाग के लाखों रुपये बर्बाद हो रहे हैं ,अभी हाल ही में विभाग के प्रमुख शासन सचिव प्रवीण गुप्ता ने पूरे कैंपस का दौरा कर अधीक्षण अभियन्ता को निर्देश दिए थे कि पूरे कैंपस में साफ़ सफ़ाई विशेषकर महिला बाथरूम का ध्यान रखा जाय लेकिन अधीक्षण अभियंता के ग़ैर ज़म्मिदाराना रवैये के कारण अभी तक कैंपस के बाथरूमों की स्थिति में कोई सुधार नहीं है महिलाओं के बाथरूम में अभी तक लाइट की व्यवस्था नहीं की गई है साथ ही साफ़ सफ़ाई भी अब तक अधूरी पड़ी हुई है जबकि प्रमुख शासन सचिव के दौरे के दौरान महिलाओं ने महिला बाथरूम के बारे में शिकायत की थी,अधिशासी अभियंता सिटी प्रथम के बाथरूम के ऊपर का प्लास्टर गिरा हुआ है उसी के ऊपर दूसरे बाथरूम की छत का सरिया तक नीचे झुक गया है जिससे कभी भी कोई बड़ा हादसा हो सकता है,वहीं ज़ोन प्रथम अतिरिक्त अभियंता कार्यालय भी बीमार लग रहा है ,बारिश में विभाग में स्थित कैंटीन की फ़ाल्स सीलिंग टूट कर गिर गई थी उसे अब तक सही नहीं कराया गया है !

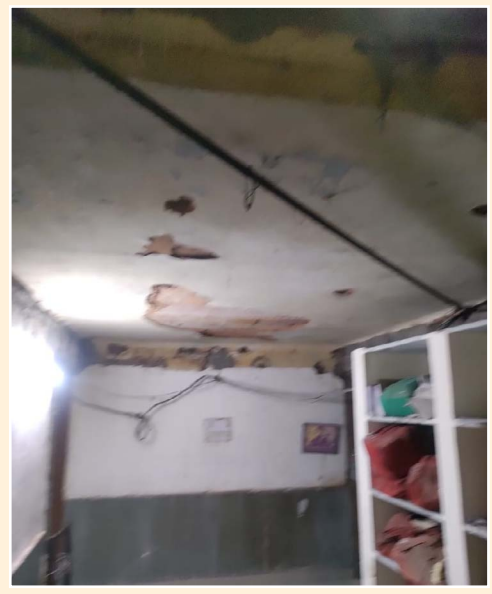

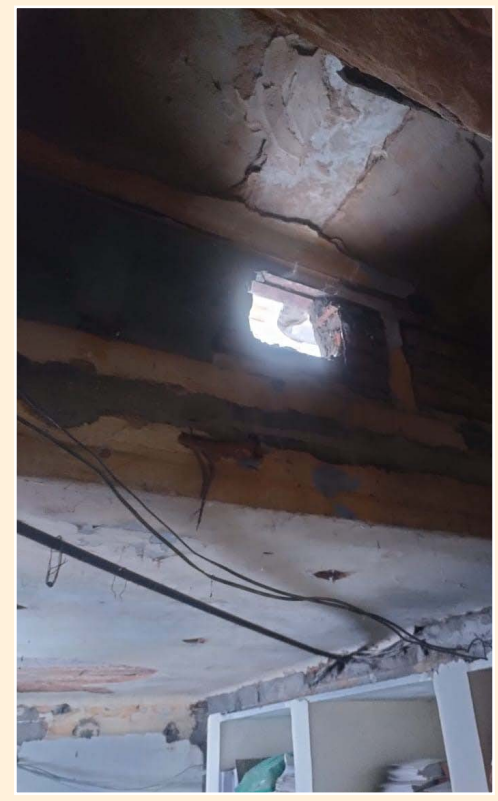

विभाग में कार्यरत कर्मचारियों ने बताया कि कैंपस के साफ़ सफ़ाई के लिए लाखों रुपया का टेंडर होने के बावजूद साफ़ सफ़ाई के लिए कोई आदमी नज़र नहीं आता है !

वहीं मिली जानकारी के अनुसार अधीक्षण अभियंता वृत्त शहर जयपुर द्वारा अभी हाल ही में लाखो रुपये के जॉब नंबर पीडब्ल्यूडी कैंपस के लिए जारी किए गए थे इससे प्रतीत होता है कि विभाग के बजट का सदुपयोग नहीं करके दुरुपयोग किया है जो की जाँच का विषय है !

प्रमुख शासन सचिव ले संज्ञान

विभाग में अधीक्षण अभियन्ता वृत्त शहर जयपुर के द्वारा दिए जा रहे हैं लाखों रुपये के जॉब नंबरों पर प्रमुख शासन सचिव को संज्ञान लेकर कार्रवाई करनी चाहिए !

स्क्वैश चैंपियनशिप में सुभाष चौधरी ने जीता स्वर्ण , 15 वर्षीय गोरी जायसवाल ने लिया सिल्वर मेडल

चमकता राजस्थान

जयपुर । रायपुर में आयोजित छत्तीसगढ़ ओपन स्क्वैश चैंपियनशिप 5 से 9 अक्टूबर 2024 में जयपुर के सुभाष चौधरी ने अंडर 19 वर्ग में गोल्ड पदक जीत राजस्थान का नाम रोशन किया। कोच खांगा राम चौधरी ने बताया कि सुभाष नीरजा मोदी स्कूल 9 वी क्लास का विद्यार्थी है और प्री क्वार्टर में छत्तीसगढ़ के मलय राठौड़ को 11- 6,11- 8,11- 2 से क्वार्टर फाइनल में कुणाल पाल को 11- 2,11-2,11-0, से सेमी फाइनल में बिहार के अभिराज सिंह, को 11- 5,11- 4,11- 4,से और फाईनल में चंडीगढ़ के कुशाल वीर सिंह को 12-10,11-9,11-9

से हराया और गोल्ड मेडल अपने नाम किया।

अंडर - 15 आयु वर्ग गर्ल्स में राजस्थान की गौरी जायसवाल ने क्वार्टर फ़ाइनल में छत्तीसगढ़ की तनया केलकर को 11- 3,11- 3,11-3 से सेमी फ़ाइनल में महाराष्ट्र की अमायरा मेहता को

11- 1,11- 1,11- 5, से हरा कर फाइनल में जगह बनाई और फाइनल में दिल्ली की आहान सिंह से 5- 11,11- 6,11- 7,11- 6, से हार का सामना करना पड़ा सिल्वर मेडल अपने नाम किया।

अंडर 11 वर्ग बॉयज में राजस्थान का वीर शिरिंगी ने पहले राउंड में बाय मिली

प्री क्वार्टर फ़ाइनल में मध्य प्रदेश के सूर्यांश सिंह तोमर को 11- 1,11- 0,11- 0 से क्वार्टर फ़ाइनल में मध्य प्रदेश के नक्षत्र गंगवानी को 12- 10,11- 6,11- 5, से और सेमी फ़ाइनल में पंजाब के आरेन खन्ना को 11- 5,11- 6,11- 5 से हरा कर फाइनल में जगह बनाई और फाइनल में मध्य प्रदेश के मोहम्मद तोहीदनवीर से हार का सामना कर सिल्वर मेडल अपने नाम किया।

छत्तीसगढ़ स्क्वैश एसोसिएशन के सचिव विष्णु श्रीवास्तव और कमिटी सदस्य प्रवीण रिचार्य ने सुभाष चौधरी को स्वर्ण पदक से गौरी जायसवाल को सिल्वर मेडल से और वीर शिरिंगी को सिल्वर मेडल से सम्मानित किया।

प्रज्ञा ने योग केन्द्र शुरू कर मनाया जन्मदिन

चमकता राजस्थान

जयपुर। नवरात्रि पर्व के शुभ अवसर पर धावास इलाके में जगदम्बा नगर स्थित शिव शक्ति योग केंद्र का उद्घाटन बुधवार 9 अक्टूबर को जयपुर की पूर्व पहली महिला महापौर एवं धावास क्षेत्र की पार्षद शील धाबाई के हाथों किया गया। इस कार्यक्रम की आयोजक प्रज्ञा शर्मा ने जानकारी देते हुए बताया कि कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के तौर पर उपस्थित

हुईं शील धाबाई को एक छोटी कन्या यशिका के हाथों तिलक लगाकर उनका स्वागत किया गया। प्रज्ञा ने बताया कि आज उनके जन्म दिवस पर नए योग केंद्र का शुरू होना उनके लिए बहुत ही खुशी का पल है। प्रज्ञा ने कहा कि आजकल की भागदौड़ वाली लाइफ में स्वस्थ रहने के लिए सभी उम्र के व्यक्तियों को कुछ समय योगा के लिए भी निकालना चाहिए। इस मौके पर शील धाबाई ने प्रज्ञा को जन्मदिन की हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं देते हुए इसी तरह आगे बढ़ते रहने का आशीर्वाद भी दिया। कार्यक्रम के दौरान प्रज्ञा की माता यशोदा शर्मा भी उपस्थित रहीं। साथ ही प्रज्ञा की महिला मित्रों में सुनीता गोयल, पायल, ममता, पूजा, शालू, हेमा, सारिका, रंजना, प्रतिभा, प्रियंका, पिंकी सहित अन्य महिलाएं भी मौजूद रहीं।

...ताकि सबको मिले अपना आवास

आवासन मंडल का एक और बेहतरीन प्रयास

बुधवार नीलामी उत्सव में दिखा आमजन का उत्साह

246 सम्पत्तियों की हुई ई-नीलामी

चमकता राजस्थान

जयपुर। अपने घर का सपना संजोने वाले लोगों को राजस्थान आवासन मण्डल की ओर से बेहतरीन सौगात दी गई है। समाज के हर वर्ग की आर्थिक स्थिति को देखते हुए आवासन मण्डल की ओर से शुरू किए गए बुधवार नीलामी उत्सव को लेकर आमजन में काफी उत्साह देखने को मिला।

● व्यवसायिक व आवासीय सम्पत्तियों की ई-नीलामी

राजस्थान आवासन मण्डल की ओर से 9 अक्टूबर 2024 को आयोजित किए गए बुधवार नीलामी उत्सव में कुल 246 आवासीय सम्पत्तियों का निस्तारण किया गया। जिसके तहत जयपुर वृत्त प्रथम में 45, जयपुर वृत्त द्वितीय में 1, जयपुर वृत्त तृतीय में 119 जोधपुर वृत्त प्रथम में 51, जोधपुर वृत्त द्वितीय में 23, उदयपुर वृत्त में 6 और अलवर वृत्त में 1 आवासीय सम्पत्तियां शामिल हैं। जिस से मण्डल लगभग 60 करोड़ का राजस्व अर्जित करेगा ।

इसी कड़ी में कुल 50 व्यावस्यिक संपत्तिया इस बुधवार नीलामी में निस्तारित की गई जिसमे जयपुर वृत्त द्वितीय में 14 भूखंड एवं कोटा वृत्त में 35 भूखंड तथा अलवर वृत्त में 1 निर्मित दुकान शामिल है । जिस से लगभग 6.5 करोड़ का राजस्व मण्डल अर्जित करेगा ।

● पहले गृह प्रवेश, फिर पूरा भुगतान

आवासन मंडल की ओर से 50 फीसदी तक की छूट के साथ उपलब्ध करवाए जा रहे इन आवास, फ्लैट्स और भूखंडों में 10 फीसदी भुगतान देकर गृह प्रवेश किया जा सकेगा। जबकि बाकी भुगतान 156 आसान मासिक किश्तों में किया जा सकेगा। इस योजना में आवेदन के लिए ई-मित्र पर 100 रुपए का शुल्क देकर ई-बिड सबमिशन में भाग लिया जा सकता है। इसके अलावा ऑनलाइन प्रस्ताव देने के लिए आवासन मंडल की वेबसाइट http://rhb.rajasthan.gov.in पर पूरी जानकारी उपलब्ध करवा दी गई है।

सद्गुणों को धारण कर नारी लक्ष्मी सरस्वती जैसी बन जाती है : बीके अपर्णा दीदी

ब्रह्माकुमारीज़ के राजयोग भवन में प्रकट हुई चैतन्य देवियां

परमात्मा शिव से जुड़कर अपनी आंतरिक शक्तियों को जागृत करे : राजयोगिनी बीके चंद्रकला दीदी

चमकता राजस्थान

जयपुर। प्रजापिता ब्रह्माकुमारी विश्व विद्यालय शाखा टोंक द्वारा नवरात्रि के शुभ अवसर पर राजयोग भवन टोंक में चैतन्य देवी दर्शन कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में बाल ब्रह्मचारिणी, तपस्विनी,स्वेत वस्त्र धारणी, राजयोगिनी ब्रह्माकुमारी बहनों का श्रृंगार कर देवियों के रूप में सजाया गया। शक्ति स्वरूपा बहनों ने गहन योग साधना कर परमपिता परमात्मा शिव की शक्ति से शुद्ध पवित्र वाइब्रेशन चारों ओर फैलाए तो हर एक ने दिव्य अनुभूति की। वही देवियों की आरती कर विश्व

कल्याण की कामना की गई।

इस अवसर पर ब्रह्माकुमारीज़ जयपुर वैशाली नगर प्रभारी राजयोगिनी बीके चंद्रकला दीदी ने कहा की राजयोग की गहन तपस्या से अपने स्वमान को जागृत कर बड़ी से बड़ी समस्या का समाधान किया जा सकता है। नवरात्रि का समय परमपिता परमात्मा शिव से जुड़कर अपनी आंतरिक शक्तियों को जागृत करने का समय है।

उन्होंने कहा वर्तमान समय में माताओं बहनों को निर्भयता एवं श्रेष्ठता का प्रतीक मां दुर्गा का रूप धारण कर साहस के प्रतीक शेर पर सवार हो बुराई एवं अज्ञानता के प्रतीक महिषासुर जैसे असुरों का संहार करना है।

स्थानीय सेवा केंद्र प्रभारी ब्रह्माकुमारी अपर्णा दीदी ने कहा की जब नारी अपने अंदर के दुर्गुणों को नष्ट कर सद्गुण धारण करती है तो वह लक्ष्मी सरस्वती जैसी बन जाती है इसलिए प्रत्येक नारी दुर्गा का रूप होती है। उन्होंने कहा कि जब सृष्टि पर आसुरी प्रवृत्तियां हावी हो जाती है तब परमपिता परमात्मा शिव अवतरित होते है और माताओ बहनों को शिव शक्ति बनकर आसुरी शक्तियों को नष्ट करते है और देवीय साम्राज्य स्थापित करते है। उन्होंने राजयोग का अभ्यास भी करवाया।

इस मौके पर देवली सेवा केंद्र प्रभारी ब्रह्माकुमारी निर्मल दीदी,पुरानी टोंक सेवा केंद्र प्रभारी ब्रह्माकुमारी ऋतु दीदी, निवाई सेवा केंद्र प्रभारी ब्रह्माकुमारी रेखा दीदी, टोडारायसिंह सेवा केंद्र प्रभारी ब्रह्माकुमारी पूनम दीदी, बनेठा सेवा केंद्र प्रभारी ब्रह्माकुमारी अनीता दीदी, बीके विनिता दीदी, बीके गुंजन दीदी, बीके पांचू भाई,बीके प्रहलाद भाई तथा संस्थान से जुड़े भाई बहन मौजूद रहे।

संक्षिप्त समाचार

लाइफ इंश्योरेंस फेडरेशन ऑफ इंडिया भारतीय जीवन बीमा एजेंट संघ धौलपुर के द्वारा मांगों को लेकर सौंपा ज्ञापन

चमकता राजस्थान। धौलपुर(रामदास तरुण)। जिला धौलपुर के शाखा प्रबंधक रामकरण मीना को अभिकर्ता संघ (लिहाफी) ने एलआईसी के चेयरमैन के नाम ज्ञापन दिया! एक अक्टूबर से एलआईसी अभिकर्ताओं का कमीशन कम करने तथा नई एलआईसी पॉलिसियों की किस्त बढ़ाने तथा एक लाख की पॉलिसी को बंद करने के विरोध में ज्ञापन दिया गया,अब अभिकर्ता संघ की मांग है, कि एलआईसी बढ़ी हुई किस्त वापस ले, और 100000 के बीमा को पुनः लागू करें! तथा एलआईसी अभिकर्ताओं का कमीशन यथावत रखें अभिकर्ता संघ अध्यक्ष ओमप्रकाश गुर्जर ने बताया कि एलआईसी ने पहले जो एक लाख का बीमा होता था! वो अब बंद करके बीमा आम आदमी व कम आय वाले आदमी की पहुंच से बाहर हो रहा है, इसका असर अभिकर्ता पर भी पड़ेगा और इस महंगाई में एजेंटों का कमीशन कम करके एजेंटों का मनोबल टूटेगा! इस अवसर पर शाखा धौलपुर के अभिकर्ता संघ अध्यक्ष ओमप्रकाश गुर्जर, डिविजन सचिव राजेश बौहरा, शाखा सचिव योगेश बंसल, अतेंद्र सिंह, मनोज बघेला, ऋषि कुमार, रामदास तरुण, नरेश कुमार, यदुवीर, खेमसिंह, रमाकांत मुकेश पुरी आदि मौजूद रहे!

सहकारी बैंकों में होगी 450 से अधिक पदों पर शीघ्र भर्ती

- **पैक्स व्यवस्थापकों के लिये 20 प्रतिषत पद आरक्षित**

चमकता राजस्थान। जयपुर। सहकारिता राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) गौतम कुमार दक ने बुधवार को बताया कि प्रदेष के 29 जिला केन्द्रीय सहकारी बैंकों तथा राजस्थान राज्य सहकारी बैंक में बैंकिंग सहायक, प्रबंधक, वरिष्ठ प्रबंधक एवं कम्पयूटर प्रोगामर के पदों पर सीधी भर्ती की प्रक्रिया शीघ्र प्रारम्भ की जायेगी। उन्होंने बताया कि सहकारी बैंकों में कार्य निष्पादन में जवाबदेही सुनिष्चित करने के लिये रिक्त पदों पर भर्ती की जायेगी।

दक ने बताया कि ग्राम सेवा सहकारी समितियों एवं लैम्पस में कार्यरत व्यवस्थापकों के लिये जिला केन्द्रीय सहकारी बैंकों में बैंकिंग सहायक के पदों में 20 प्रतिषत पद आरक्षित किये गये हैं ताकि जमीनी स्तर पर कार्य कर रहे व्यवस्थापकों के कार्य अनुभव का लाभ लिया जा सके। उन्होंने कहा कि केन्द्रीय सहकारी बैंकों में पैक्स व्यवस्थापक से बैंकिंग सहायक के पद पर चयन हेतु नियम जारी कर दिये गये हैं।

सहकारिता राज्य मंत्री ने कहा कि जिला सहकारी बैंकों में 299 पदों पर बैंकिंग सहायक, 92 पदों पर प्रबंधक तथा 7 पदों पर कम्प्यूटर प्रोग्रामार की भर्ती के प्रस्ताव प्राप्त हो चुके हैं। राजस्थान राज्य सहकारी बैंक में 46 पदों पर बैंकिंग सहायक, 7 पदों पर प्रबंधक, 5 पदों पर वरिष्ठ प्रबंधक के प्रस्ताव प्राप्त हो चुके है। सभी बैंकों से अद्यतन रिक्त पदों की सूचना प्राप्त की जा रही है। उन्होंने कहा कि सहकारिता विभाग के अधिकारियों को बैंकों से रिक्त पदों की सूचना शीघ्र प्राप्त करने तथा सूचना का संकलन कर सहकारी भर्ती बोर्ड के माध्यम से भर्ती प्रक्रिया प्रारम्भ करने के लिये निर्देषित कर दिया गया है।

भीलवाड़ा जिले में साइबर टीम की साइबर क्राइम के विरुद्ध कार्रवाई

- **एसएसओ आईडी हैक कर सिलिकोसिस बीमारी के फर्जी प्रमाण पत्र बनाने वाला मुख्य सरगना सहित दलाल गिरफ्तार**

चमकता राजस्थान। जयपुर/भीलवाड़ा! (खलील कुरैशी) 09 अक्टूबर। भीलवाड़ा जिले की साइबर टीम ने डॉक्टर की एसएसओ आईडी हैक कर सिलिकोसिस बीमारी के फर्जी प्रमाण पत्र बनाने के मामले में सरगना सहित दलाल को गिरफ्तार कर घटना में प्रयुक्त लैपटॉप एवं इंटरनेट डाटा प्रयोग वाला मोबाइल जब्त किया है एसपी धर्मेंद्र सिंह ने बताया कि साइबर अपराधों के प्रकरणों को गंभीरता से लेते हुए आरोपियों की गिरफ्तारी के लिए एसएचओ थाना साइबर हरजीलाल यादव के नेतृत्व में थाना स्तर पर एक विशेष टीम का गठन किया गया है। इसी क्रम में 22 फरवरी को डॉक्टर विजय प्रकाश माहेश्वरी निवासी शास्त्री नगर भीलवाड़ा का इस्तगासा प्राप्त हुआ था जिसके अनुसार किसी ने उनकी एसएसओ आईडी हैक कर सिलिकोसिस के फर्जी प्रमाण पत्र जारी किए। रिपोर्ट पर मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू की गई। थाना स्तर पर हैड कांस्टेबल राजेश कुमार, कांस्टेबल राजेंद्र कुमार मीणा व राम प्रसाद की एक विशेष टीम गठित की गई। गठित टीम द्वारा निदेशालय विशेष योग्यजन कार्यालय जयपुर से डॉ विजय कुमार माहेश्वरी की एसएसओ आईडी की लॉगिन, लॉगआउट आउट आईपी एड्रेस, इवेंट व एक्टिविटी आईपी लॉग प्राप्त किये।इसके बाद लॉग्स के आधार पर आईपीडीआर प्राप्त कर सन्दिग्ध मोबाइल नंबरों की कॉल डिटेल व लोकेशन प्राप्त कर आरोपी नरेंद्र कुमार सैनी पुत्र रतनलाल (27) निवासी मोहचिंगपुरा थाना सिकंदरा एवं आशिक कुमार पुत्र सत्यनारायण भार्गव (29) निवासी चांदराना थाना सैंथल जिला दौसा को दौसा से गिरफ्तार किया गया।

दो स्थानों पर बेशकीमती सरकारी भूमि कराया अतिक्रमण मुक्त

जेडीए ने 14 बीघा भूमि पर नारायण सागर सहित दो अन्य नवीन अवैध कॉलोनियों को किया ध्वस्त

जविप्रा के उप महानिरीक्षक कैलाश चन्द विश्नोई एवं मुख्य नियंत्रक प्रवर्तन आदर्श चौधरी की जोड़ी ने अवैध कॉलोनियों, अतिक्रमणों एवं अवैध निर्माणों पर अपनाया सख्त रुख

चमकता राजस्थान

जयपुर! (खलील कुरैशी) 09 अक्टूबर। जयपुर विकास प्राधिकरण द्वारा जोन-12 निजी खातेदारी करीब 14 बीघा कृषि भूमि पर 03 नवीन अवैध कॉलोनियां को प्रारंभिक स्तर पर ही पूर्णतः ध्वस्त किया गया। ग्राम चम्पापुरा में जेडीए स्वामित्व की सरकारी भूमि को कब्जा-अतिक्रमण मुक्त करवाया। साथ ही सुशांत सिटी एच एक्स ब्लॉक में पार्क की सरकारीभूमिकोकब्जा-अतिक्रमण मुक्त करवायाउपमहानिरीक्षक पुलिस कैलाश चन्द्र विश्नोई ने बताया कि जोन-12 के क्षेत्राधिकार में अवस्थित ग्राम चम्पापुरा, जिला जयपुर में जेडीए स्वामित्व की सरकारी भूमि के खसरा नम्बर 161/1 पर कब्जा-अतिक्रमण कर बने खण्डरनुमा कमरे तारबंदी व अन्य अवैध निर्माण कर किये गये कब्जे-अतिक्रमणों को जोन-12 के राजस्व व तकनीकी स्टाफ की निशादेही पर प्रवर्तन दस्ते द्वारा जेसीबी मशीन व मजदूरों की सहायता से ध्वस्त किया जाकर सरकारी भूमि को अतिक्रमण

मुक्त करवाया गया। जोन-12 के क्षेत्राधिकार में अवस्थित सुशांत सिटी एच. एक्स ब्लॉक जिला जयपुर में पार्क की सरकारी भूमि पर कब्जा-अतिक्रमण कर लगाये गये टीनशेड, छान-छप्पर व अन्य किये गये कब्जे-अतिक्रमणों को आज जोन-12 के राजस्व व तकनीकी स्टाफ की निशादेही पर प्रवर्तन दस्ते द्वारा जेसीबी मशीन व मजदूरों की सहायता से हटवाया जाकर पार्क की सरकारी भूमि को अतिक्रमण मुक्त करवाया गया। जविप्रा स्वामित्व की सरकारी भूमि-पार्क पर अवैध कब्जे-अतिक्रमण करने के संबंध में संबंधित के विरूद्ध कार्यवाही बाबत उक्त सरकारी भूमि को संरक्षित व सदुपयोंग करने के संबंध में उपायुक्त जोन-12 को पत्र लिखा गया है।जेडीए द्वारा जोन-12 के क्षेत्राधिकार में अवस्थित खारड़ा की ढाणी, वैद्यजी का चौराहा, जिला जयपुर में करीब 02 बीघा निजी खातेदारी कृषि भूमि पर जेडीएकीबिनास्वीकृति-अनुमोदन के एवं बिना भू रूपान्तरण करवायें भूमि को समतल कर विगत दिवसों में मौका पाकर रातों-रात बनाई गई मिट्टी-ग्रेवल सड़कें प्लॉटों की बाउण्ड्रीवाल व अन्य अवैध निर्माण कर नवीन अवैध कॉलोनी बसाने की सूचना प्राप्त होते ही प्रारंभिक स्तर पर ही आज जोन-12 के राजस्व व तकनीकी स्टॉफ की निशादेही पर प्रवर्तन दस्ते द्वारा जेसीबी मशीन व मजदूरों की सहायता से ध्वस्त किया जाकर नवीन अवैध कॉलोनी बसाने के प्रयास को विफल किया गया। जोन-12 के क्षेत्राधिकार में अवस्थित ग्राम चम्पापुरा, जिला जयपुर में करीब 08 बीघा निजी खातेदारी कृषि भूमि पर जेडीए की बिना स्वीकृति-अनुमोदन के एवं बिना भू रूपान्तरण करवायें भूमि को समतल कर ''नारायण सागर'' के नाम से विगत दिवसों में मौका पाकर रातों-रात बनाई गई मिट्टी-ग्रेवल सड़कें व अन्य अवैध निर्माण कर नवीन अवैध कॉलोनी बसाने की सूचना प्राप्त होते ही प्रारंभिक स्तर पर ही जोन-12 के राजस्व व तकनीकी स्टॉफ की निशादेही पर प्रवर्तन दस्ते द्वारा जेसीबी मशीन व मजदूरों की सहायता से ध्वस्त किया जाकर नवीन अवैध कॉलोनी बसाने के प्रयास को विफल किया गया। इसी प्रकार जोन-12 के क्षेत्राधिकार में अवस्थित ग्राम भम्भोरी, जिला जयपुर में करीब 04 बीघा निजी खातेदारी कृषि भूमि पर जेडीए की बिना स्वीकृति-अनुमोदन के एवं बिना भू रूपान्तरण करवायें भूमि को समतल कर विगत दिवसों में मौका पाकर रातों-रात बनाई गई मिट्टी-ग्रेवल सड़कें व अन्य अवैध निर्माण कर नवीन अवैध कॉलोनी बसाने की सूचना प्राप्त होते ही प्रारंभिक स्तर पर ही जोन-12 के राजस्व व तकनीकी स्टॉफ की निशादेही पर प्रवर्तन दस्ते द्वारा जेसीबी मशीन व मजदूरों की सहायता से ध्वस्त किया जाकर नवीन अवैध कॉलोनी बसाने के प्रयास को विफल किया गया। संबंधित से जेडीए के ध्वस्तीकरण की कार्यवाही का नियमानुसार खर्चा-वसूली की कार्यवाही सुनिश्चित की जायेगी।उक्त कार्यवाही मुख्य नियंत्रक प्रवर्तन आदर्श चौधरी के पर्यवेक्षण में उपनियंत्रक प्रवर्तन-द्वितीय, प्रवर्तन अधिकारी जोन-12 तथा प्राधिकरण में उपलब्ध जाप्ते, लेबर गार्ड एवं जोन में पदस्थापित राजस्व व तकनीकी स्टॉफ की निशादेही पर प्रवर्तन दस्ते द्वारा सम्पादित की गई।

बाड़मेर में भाजपा अल्पसंख्यक मोर्चा का प्रदेश स्तरीय भाजपा सदस्यता अभियान का हुआ भव्य कार्यक्रम आयोजित

अल्पसंख्यकों बिछड़ापन खराब स्थिति के लिए कांग्रेस जिम्मेदार मेवाती

- **योजनाओं के बल पर भाजपा के सदस्य बनाएं:- पूर्व राज्य मंत्री अशरफ अली**

चमकता राजस्थान

जयपुर/बाड़मेर!(खलील कुरैशी) भाजपा कार्यालय में मोर्चा के जिला अध्यक्ष अकबर खान समेजा की अध्यक्षता में मोर्चे की बैठक हुई जिसमें भाजपा अल्पसंख्यक मोर्चे के प्रदेश अध्यक्ष हमीद खान मेवाती शामिल हुए उन्होंने कहा देश पर 70 साल से राज करने वाली कांग्रेस सरकार ने अल्पसंख्यकों की स्थिति पर ध्यान नहीं दिया यह बाद भाजपा अल्पसंख्यक मोर्चा के प्रदेश अध्यक्ष हमीद खान मेवाती ने कहा कांग्रेस ने अल्पसंख्यकों को केवल वोट बैंक समझा भारतीय जनता पार्टी अल्पसंख्यक मोर्चे के प्रदेश अध्यक्ष हमीद खान मेवाती ने भाजपा सदस्यता अभियान के तहत बाड़मेर प्रवास के दौरान भाजपा अल्पसंख्यक मोर्चे के कार्यकर्ताओं को संबोधित करते हुए कही उन्होंने कहा कांग्रेस ने

अल्पसंख्यकों को हमेशा बंधुवा मजदूर के रूप में इस्तेमाल किया उन्हें भाजपा ए नाम से डरा धमकाकर विकास से महरूम रखा और अल्पसंख्यकों की विकास और शिक्षा में स्थिति खराब के लिए कांग्रेस जिम्मेदार है उन्होंने भाजपा अल्पसंख्यक कार्यकर्ताओं से आवाहन किया ज्यादा से ज्यादा भारतीय जनता पार्टी के सदस्य बनकर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी मुख्यमंत्री भजन लाल सरकार के विकास में भागीदार बने इस मौके पर पूर्व राज्य मंत्री अशरफ अली ने कहा योजनाओं के बल पर जोड़े लोगों को सरकार की लोक कल्याणकारी योजनाओं भागीदारी निभाते हुए अधिक से अधिक लोगों को भाजपा सदस्य बनाएं प्रदेश अध्यक्ष ने कहा राजस्थान में करीब 1.25 करोड़ सदस्य बनेगे उसमें अल्पसंख्यकों की अहम भूमिका है इस मौके पर प्रदेश अध्यक्ष प्रदेश उपाध्यक्ष अयूब खान ने कहा भारतीय जनता पार्टी विकास पर विश्वास करती है सबका साथ सबका विश्वास को लेकर चलती है अल्पसंख्यक द्वारा को ज्यादा से ज्यादा सदस्यता अभियान में जुड़ने का आ''ान किया प्रदेश मंत्री कसम भाई राठौड़ ने कहा अल्पसंख्यक को डबल इंजन की सरकार में सहयोग कर अपनी भागीदारी निभानी चाहिए इस मौके पर जिला अध्यक्ष मोर्चा के अकबर खान समेजा ने लोगों का आभार व्यक्त किया इस मौके पर जिला महामंत्री अब्दुल रहमान तेली पीर सैयद जमन शाह सुल्तान खान खानु खा राजड जमील खा राजड खुदा बक्स सतार फकीर जबार अलानुर रसीद खिलजी उमेदा खा यार खान राजड सुमार खा करीम भजपाई अमीन खा रजाक खा बुकड ऐसी मोर्चे के जिला अध्यक्ष बिरमाराम मेघवाल पूर्व प्रधान कुंभाराम भाजपा कार्यालय मंत्री ईश्वर नवल सहित केई लोग मौजूद थे मंच का संचालन जिला महामंत्री अब्दुल रहमान अमन ने किया।

डूंगरपुर में राजकीय प्राथमिक विद्यालय का शिक्षाकर्मी 10 हजार रुपये रिश्वत राशि लेते रंगे हाथों गिरफ्तार

चमकता राजस्थान। जयपुर!(खलील कुरैशी) 09 अक्टूबर, बुधवार। ए.सी.बी. मुख्यालय के निर्देश पर ए.सी.बी. की डूंगरपुर इकाई द्वारा आज कार्यवाही करते हुये रमेश चंद कोटेड शिक्षाकर्मी, राजकीय प्राथमिक विद्यालय आरा, तहसील बिछीवाड़ा, जिला डूंगरपुर को परिवादी से 10 हजार रुपये रिश्वत राशि लेते रंगे हाथों गिरफ्तार किया है।भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो के महानिदेशक डॉ. रवि प्रकाश मेहरड़ा ने बताया कि ए.सी.बी. की डूंगरपुर इकाई को परिवादी द्वारा शिकायत दी गई कि उसका पेंशन प्रकरण तैयार कर भिजवाने की एवज में आरोपी रमेश चंद कोटेड शिक्षाकर्मी द्वारा 20 हजार रूपये रिश्वत की मांग कर परेशान किया जा रहा हैजिस पर एसीबी उदयपुर के उप महानिरीक्षक पुलिस राजेन्द्र प्रसाद गोयल के सुपरवीजन में एसीबी की डूंगरपुर इकाई के उप अधीक्षक पुलिस श्री रतनसिंह राजपुरोहित के नेतृत्व में शिकायत का सत्यापन किया जाकर आज उनके द्वारा मय टीम पुलिस निरीक्षक राजेन्द्र सिंह व अन्य के ट्रेप कार्यवाही करते हुए आरोपी रमेश चंद कोटेड शिक्षाकर्मी को परिवादी से 10 हजार रुपये रिश्वत राशि लेते रंगे हाथों गिरफ्तार किया है। उल्लेखनीय है कि आरोपी द्वारा शिकायत से पूर्व ही परिवादी से 5 हजार रुपये रिश्वत के रूप में वसूल कर लिये थे।एसीबी की अतिरिक्त महानिदेशक पुलिस स्मिता श्रीवास्तव के निर्देशन में आरोपी से पूछताछ तथा कार्यवाही जारी है। एसीबी द्वारा मामले में भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम के अन्तर्गत प्रकरण दर्ज कर अग्रिम अनुसंधान किया जायेगा।

माँ शक्ति की उपासना के महा पर्व नवरात्रा के सातवें दिन हुआ कन्या पूजन का विशाल आयोजन

कन्या पूजन कर सैकड़ो स्कूली बालिकाओं को करवाया स्नेह भोज ,व नगर वासियो के लिए किया भंडारा

चमकता राजस्थान

जयपुर। माँ शक्ति की आराधना का महा पर्व नवरात्रि में कन्या पूजन का विशेष महत्व है जिसमे छोटी कन्याओं माँ दुर्गा के नो स्वरूपों का प्रतीक मानकर उनका पूजन कर उनको हलुवा ,पूरी का भोग लगाकर श्रंगार सामग्री भेंट करने का विधान है ,इसी परंपरा के अंतर्गत समाजसेवी व भामाशाह ज्ञान चंद मावा वाला ने सार्वजनिक गरबा मंडल के परिसर में विशाल कन्या पूजन व स्नेह भोज का आयोजन किया गया ,जिसके अंतर्गत सेकड़ो

की संख्या में सरकारी व निजी विद्यालयों की बालिकाओं को बेंड बाजो से माता के गरबा स्थल परिसर में लाया गया ,जंहा कन्याओं को माता रानी का प्रतीक मानकर पूजन कर उनको माल्यार्पण कर सम्मान कर स्नेह भोज करवाया गया , इस अवसर पर उपस्थित गणमान्य अतिथियों , व्यापार संघ अध्यक्ष मनोहर लाल ओसवाल ,उपाध्यक्ष व विश्व हिंदू परिषद नगर अध्यक्ष कान्हा राठौर , किराना व्यापार संघ अध्यक्ष पवन पिछोलिया ,भाजपा मंडल अध्यक्ष गौतम ओसवाल ,जैन शोषल ग्रुप प्रदेश अध्यक्ष हंसराज जैन ,सरपंच प्रतिनिधि अशोक भंडारी ,जिला परिषद सदस्य प्रतिनिधि अशोक गायरी ,भाजपा जिला कार्यकारणी सदस्य जगदीश भावसार ,पूर्व सरपंच तलावली देवी सिंह चौहान , समाजसेवी व ॐ हरहर नवदुर्गा मंडल के राजू पासी , व सभी गरबा मंडलों , दुर्गा माता मंदिर के अध्यक्ष हरि नारायण सोनी , सचिव राजेश तिवारी ,व समस्त व्यापार संघ अध्यक्षो सहित पत्रकारों, भामाशाहो व समाज सेवियों का भी ज्ञानचंद मावा वाला ने माल्यार्पण कर साफा बांधकर सम्मान किया व मातारानी की प्रसादी स्वरूप हलवा ,खीर ,पूड़ी , पकौड़ी का भंडारे का आयोजन कर स्नेह भोज दिया।

संक्षिप्त समाचार

घर-घर सस्ती सौर बिजली पहुंचाने की दिशा में डिस्कॉम्स की पहल

● सर्वाधिक रूफ टॉप सोलर स्थापित करने वाले कार्मिक होंगे सम्मानित : आरती डोगरा

चमकता राजस्थान। जयपुर,(खलील कुरैशी) 9 अक्टूबर। प्रदेश में पीएम सूर्यघर निशुल्क बिजली योजना में डिस्कॉम स्तर पर कार्मिकों को सम्मानित करने की अनूठी पहल की गई है। इसके अन्तर्गत प्रत्येक डिस्कॉम में सर्वाधिक रूफ टॉप सोलर स्थापित करने वाले वृत्त, खंड एवं उपखंड कार्यालय के कार्मिकों को उनके प्रदर्शन एवं कार्य निष्पादन के आधार पर सम्मानित किया जाएगा। रूफ टॉप सोलर के माध्यम से बिजली उपभोक्ताओं को सस्ती एवं सुलभ सौर ऊर्जा उपलब्ध कराने की यह एक महत्वाकांक्षी योजना है।चेयरमैन डिस्कॉम्स सुश्री आरती डोगरा ने बताया कि जयपुर, जोधपुर एवं अजमेर विद्युत वितरण निगमों में प्रत्येक तिमाही आधार पर सर्वाधिक रूफ टॉप सोलर स्थापित करने वाले सर्किल, डिवीजन एवं सब डिवीजन कार्यालय के अधीक्षण अभियंता, अधिशाषी अभियंता, सहायक अभियंता सहित कनिष्ठ अभियंता, फीडर प्रभारी एवं लाइनमैन को रूफ टॉप सोलर चैंपियन अवार्ड तथा प्रोत्साहन राशि देकर सम्मानित किया जायेगा। इससे कार्मिक बेहतर कार्य निष्पादन के लिए प्रेरित होंगे। साथ ही, प्रदेश में इस महत्वपूर्ण योजना के क्रियान्वयन को गति मिल सकेगी।

प्रदेश में 13,191 घरों पर लगे रूफ टॉप सोलर–

उल्लेखनीय है कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने इस वर्ष फरवरी माह में पीएम सूर्यघर निशुल्क बिजली योजना की घोषणा की थी। वर्ष 2026-27 तक इस योजना में 75021 करोड़ रूपए का परिव्यय अनुमानित है। देश के एक करोड़ घरों में रूफ टॉप सोलर लगाए जाने का लक्ष्य है। इनमें से प्रदेश में 5 लाख घरों में रूफ टॉप सोलर लगाए जाने हैं। योजना में अधिकतम तीन किलोवाट क्षमता के सोलर संयंत्र पर अधिकतम 78 हजार रूपए तक का अनुदान देय है। जिससे सौर ऊर्जा के रूप में प्रतिमाह 300 यूनिट तक निशुल्क बिजली मिल सकती है।प्रदेश में अब तक 13,191 घरों में कुल 68 हजार किलोवाट क्षमता के सोलर पैनल लगाए जा चुके हैं। इनमें जयपुर विद्युत वितरण निगम में 5,024, अजमेर विद्युत वितरण निगम में 4,178 तथा जोधपुर विद्युत वितरण निगम क्षेत्र में 3,989 घरों की छतों पर सोलर संयंत्र लगाए गए हैं। राजस्थान इस योजना में रूफ टॉप इंस्टालेशन की संख्या के आधार पर देश के प्रथम सात राज्यों में है।

युवा समाजसेवी एडवोकेट अशोक व्यास ने मनोहरपुर नगरपालिका अधिशाषी अधिकारी से मुलाक़ात कर सौंपा ज्ञापन

● ज्ञापन के माध्यम से नगरपालिका क्षेत्र में सफाई व्यवस्था दुरुस्त करने की करी मांगी

चमकता राजस्थान। मनोहरपुर (खलील कुरैशी) मनोहरपुर नगरपालिका के युवा समाजसेवी एडवोकेट अशोक व्यास ने अपने प्रतिनिधि मंडल सहित मनोहरपुर नगरपालिका के अधिशाषी अधिकारी प्रवीण कुमार से मुलाक़ात कर मनोहरपुर नगरपालिका क्षेत्र में सफाई अव्यवस्था पर

नाराजगी और चिंता जाहिर करते हुए करते लिखित में ज्ञापन सौंप कर मनोहरपुर नगरपालिका क्षेत्र में सफाई व्यवस्था के बारे में विस्तृत जानकारी देते हुए कहा कि है मनोहरपुर कस्बे में वर्तमान में सफाई व्यवस्था बिल्कुल अव्यवस्थित हो रही है और जगह जगह पर कचरे के ढेर लगे हुए है , जिसका तुरंत प्रभाव से निस्तारण किया जाये इस पर अधिशाषी अधिकारी ने सफाई व्यवस्था सही और दुरुस्त करवाने के लिऐ कहा तब उन्होंने आश्वाशन दिया है की जल्द ही कचरा उठाने वाले टेंपो की संख्या बढ़ा कर सफाई व्यवस्था में सुधार किया जायेगा !

करीब सात करोड रूपये कीमत की एमडीएमए ड्रग्स जब्त

चित्तौड़गढ़ के सदर निंबाहेड़ा थाना पुलिस की अवैध मादक पदार्थो के विरुद्ध बड़ी कार्रवाई

चमकता राजस्थान

जयपुर/चित्तौड़गढ़ (खलील कुरैशी), !09 अक्टूबर। चित्तौड़गढ़ जिले की सदर निम्बाहेड़ा थाना पुलिस ने हाईवे पर नाकाबंदी में अवैध मादक पदार्थो के खिलाफ बड़ी कार्रवाई करते हुए एक आई -20 कार सवार तस्कर रोशन लाल बिश्नोई पुत्र आज्ञा राम (22) निवासी खावों की ढाणी केरलानाडा बीकमपुर थाना मातोड़ा जिला जोधपुर ग्रामीण को गिरफ्तार कर 3 किलो 420 ग्राम एमडीएमए ड्रग्स जब्त की है। जब्त ड्रग की कीमत करीब सात करोड़ रूपये

है। एसपी सुधीर जोशी ने बताया कि अवैध मादक पदार्थो की खरीद -फरोख्त व तस्करों की धरपकड़ के लिए चलाए जा रहे अभियान के तहत एएसपी परबत सिंह व डीएसपी निम्बाहेड़ा बद्रीलाल राव के मार्गदर्शन में थानाधिकारी सजंय शर्मा द्वारा पुलिस जाप्ते सहित थाने के सामने चित्तौडगढ-निमच हाईवे पर नाकाबंदी की जा रही थी नाकाबंदी के दौरान नीमच की तरफ से एक संदिग्ध आई 20 कार आती हुई दिखाई दी। जिसे रूकवाने का प्रयास किया तो कार चालक तेज गति से गाड़ी भगाने लगा। जिसे पुलिस जाप्ते ने बडी मुश्किल से रोका। तलाशी ली तो कार की ड्राईवर सीट के नीचे दो थैलियों में भरी हुई 3 किलो 420 ग्राम एमडीएमए ड्रग्स मिली। जिसे जब्त कर कार चालक रोशन लाल विश्नोई को गिरफ्तार कर लिया है। सदर निम्बाहेडा थाने पर आरोपी चालक के खिलाफ प्रकरण पंजीबद्ध कर अग्रिम अनुसंधान किया जा रहा है। जब्त एमडीएमए ड्रग्स की अंतरराष्ट्रीय कीमत करीब सात करोड़ रुपये हैं। इस कार्रवाई में एसएचओ सजंय शर्मा, एएसआई सुन्दरपाल, कांस्टेबल जीवनलाल, विक्रम सिंह, धर्मचन्द, दयाराम, सुर्यभान सिंह व महावीर सिंह शामिल थे।

आई-20 कार से तीन किलो 420 ग्राम एमडीएमए ड्रग्स के साथ एक आरोपी गिरफ्तार

जालौर जिले में भीनमाल थाना पुलिस की कार्रवाई

स्पा सेंटर की आड़ में अनैतिक कृत्य : थाईलैंड निवासी दो युवतियों सहित कुल आठ गिरफ्तार

चमकता राजस्थान

जयपुर/जालौर !(खलील कुरैशी) 9 अक्टूबर। जालौर जिले के भीनमाल कस्बे में जुजाणी रोड स्थित एक स्पा सेंटर पर भारतीय व विदेशी युवतियों से अनैतिक कृत्य करवाए जाने की सूचना मिलने पर पुलिस ने छापा मार थाईलैंड निवासी दो विदेशी युवतियों सहित कल 8 जनों को गिरफ्तार किया है।एसपी ज्ञान चन्द्र यादव ने बताया कि बुधवार को भीनमाल कस्बे में जुजाणी रोड पर स्थित मिलन स्पा सेंटर पर भारतीय एवं विदेशी युवतियों से अनैतिक कार्य कराये जाने की सूचना मिली थी। सूचना पर अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक मोटाराम गोदारा व सीओ अन्नराज राजपुरोहित के सुपरविजन एवं एसएचओ रामेश्वर भाटी के नेतृत्व में टीम गठित कर दबिश दी गई।सन्दिग्ध गतिविधियों व अनैतिक कार्य में

लिप्त होने की संभावना के मध्य नजर चार युवक व चार युवतियों को धारा 126 व 170 बीएनएस में गिरफ्तार किया गया। पुलिस ने मौके से रामदास पुत्र जगदीश प्रसाद (28) निवासी बिबलसर थाना बागरा, शहजाद खान पुत्र शोकत अली (32) व मुजाहिद खान पुत्र बरकत (23) निवासी टेकरवास भीनमाल, अना राम पुत्र तेजाराम (34) निवासी खारवा मोरसीम थाना बागोडा, रमीला बानु पत्नी मोहम्मद अफजल (26) निवासी ब्यावर, नसरीन पत्नी आशिक पुत्री नौसाद उर्फ हजीम (22) निवासी जामिया नगर दक्षिण दिल्ली तथा थाईलैंड निवासी सुचिता प्रदिच्या उर्फ जेन्नी (29) एवं सैनाम क्रिर्कवानिच उर्फ एम्मी को गिरफ्तार किया गया है।इस कार्रवाई में थाना भीनमाल से एसएचओ रामेश्वर भाटी, हेड कांस्टेबल पुनमा राम, कांस्टेबल दिनेश कुमार 298, दिनेश कुमार 997, राजेन्द्र बेनिवाल एवं महिला कांस्टेबल मफी व श्रवणी शामिल थी।

परिवहन विभाग की जनोपयोगी अभिनव पहल,

स्टूडेंट्स को दी बेसिक लाइफ सपोर्ट की जानकारी

चमकता राजस्थान। जयपुर!(खलील कुरैशी) 9 अक्टूबर। स्टेट रोड सेफ्टी सैल एवं परिवहन एवं सड़क सुरक्षा विभाग राजस्थान के साथ विश्व स्वास्थ्य संगठन एवं कोलबौरेटिंग सैन्टर फॉर इमरजेन्सी एण्ड ट्रोमा केयर द्वारा बुधवार को एसएसजी पारीक पीजी महाविद्यालय में स्टूडेंट्स को बेसिक लाइफ सपोर्ट की महत्वपूर्ण जानकारी दी गई।टीओटी (ट्रेनिंग ऑफ ट्रेनर्स) कार्यक्रम में दिल्ली एम्स से आए डॉ. तेजप्रकाश सिन्हा ने छात्र तथा अध्यापकों को बेसिक लाइफ सपोर्ट की देते हुए कहा की यह एक आपातकालीन तकनीक है जो हृदय गति रुकने व जीवन धमकाने वाली स्थितियों में उपयोग की जाती है, जो खेल या अन्य किसी भी समय हो सकती है। इस दौरान हमें सीपीआर (कार्डियोपल्मोनरी रीससिटेशन) देने की जागरूकता होनी चाहिए तथा प्राथमिक उपचार पर ध्यान देना चाहिए परिवहन विभाग के स्टेट रोड सेफ्टी सेल के डॉ.एल.एन.पाण्डे ने राज्य सरकार की सड़क सुरक्षा से सम्बंधित योजनाओं की जानकारी दी कार्यक्रम में 100 छात्रों को सीपीआर देने की प्रायोगिक जानकारी प्रदान की गई। इस दौरान पारीक कॉलेज के एनएसएस इकाई व रेड रिबन क्लब के प्रभारी व व्याख्याता तथा एम्स के सहयोगी नेहा बिस्ट, रुपाली रावत उपस्थित रहें

सिंगापुर को 'राइजिंग राजस्थान' ग्लोबल इन्वेस्टमेंट समिट 2024 के 'पार्टनर कंट्री' बनने का आमंत्रण

उद्योग एवं वाणिज्य मंत्री के नेतृत्व में राज्य के प्रतिनिधिमंडल ने सिंगापुर की विदेश राज्य मंत्री सुश्री सिम एन से राजस्थान में निवेश बढ़ाने में सहयोग की अपेक्षा व्यक्त की

● प्रतिनिधिमंडल ने सिंगापुर के शहरी पुनर्विकास प्राधिकरण और सुरबाना जुरोंग के परिसरों का दौरा किया,

● सिंगापुर की कंपनियों ने राजस्थान में विभिन्न परियोजनाओं के विकास में रुचि दिखाई

चमकता राजस्थान

जयपुर, (खलील कुरैशी) 09 अक्टूबर। उद्योग एवं वाणिज्य मंत्री कर्नल राज्यवर्धन राठौड़ के नेतृत्व में राजस्थान सरकार के उच्च स्तरीय प्रतिनिधिमंडल ने बुधवार को सिंगापुर की विदेश राज्य मंत्री सुश्री सिम एन से मुलाकात के दौरान सिंगापुर को राइजिंग राजस्थान ग्लोबल इन्वेस्टमेंट समिट– 2024 का 'पार्टनर कंट्री' बनने का आमंत्रण दिया। इस मुलाकात के दौरान प्रतिनिधिमंडल ने सिंगापुर की कंपनियों द्वारा राजस्थान में निवेश बढ़ाने में उनसे सहयोग की अपेक्षा व्यक्त की और उन्हें जयपुर में आगामी 9 से 11 दिसंबर तक होने वाले ग्लोबल इन्वेस्टमेंट समिट में भाग लेने के लिए आमंत्रित किया।अपनी सिंगापुर यात्रा के तीसरे दिन राजस्थान सरकार के प्रतिनिधिमंडल ने सिंगापुर के सार्वजनिक और निजी क्षेत्र की कंपनियों के प्रमुख अधिकारियों के साथ मुलाकात की इन बैठकों के बाद उद्योग एवं वाणिज्य मंत्री कर्नल राज्यवर्धन राठौड़ ने कहा, ''हमने सिंगापुर को 'राइजिंग राजस्थान' ग्लोबल इन्वेस्टमेंट समिट 2024 के 'पार्टनर कंट्री' बनने के लिए आमंत्रित किया है। हमने बुधवार को सिंगापुर की कई प्रमुख कंपनियों के साथ बैठकें कीं, जो राज्य में औद्योगिक पार्क, शहरी विकास, डेटा सेंटर, एविएशन एमआरओ जैसे कई क्षेत्रों में निवेश करने के इच्छुक हैं। राजस्थान सरकार की ओर से उन्हें हम अपना पूरा समर्थन देने के लिए तैयार हैं।''

इसके बाद प्रतिनिधिमंडल ने सिंगापुर स्थित इंजीनियरिंग और शहरी विकास कंसल्टेंसी कंपनी सुरबाना जुरोंग के परिसर का भी दौरा किया, जहां उनकी अगवानी कंपनी के ग्रुप सीईओ श्री सीन चियाओ और अन्य वरिष्ठ अधिकारियों ने की। इस बैठक के दौरान उद्योग एवं वाणिज्य मंत्री कर्नल राठौड़ ने राजस्थान में हो रहे ढांचागत विकास के बारे में जानकारी दी और उन्हें राजस्थान की विकास में भागीदार बनने के लिए आमंत्रित किया। इस बैठक में सुरबाना जुरोंग के अधिकारियों ने राजस्थान सरकार द्वारा औद्योगिक विकास के लिए उठाये जा रहे कदमों के बारे में रुचि दिखायी जिसमें राज्य में बनने वाले औद्योगिक पार्कों और शहरी विकास परियोजनाएं आदि शामिल हैं।इसके बाद कर्नल राठौड़ के नेतृत्व वाले प्रतिनिधिमंडल ने राज्य में निवेश के लिए एसटी इंजीनियरिंग, एसटी टेलीमीडिया ग्लोबल डेटा सेंटर्स और डीबीएस बैंक के प्रतिनिधियों के साथ मुलाकात की और उनसे प्रदेश में निवेश का आग्रह किया। इन बैठकों के दौरान इन कंपनियों के अधिकारियों ने राजस्थान के एविएशन एमआरओ, इंजीनियरिंग, डेटा सेंटर जैसे क्षेत्रों में अवसरों की जानकारी ली और इनमें निवेश के प्रति रुचि दिखाई मुख्यमंत्रीभजन लाल शर्मा के नेतृत्व में आयोजित होने वाले 'राइजिंग राजस्थान' ग्लोबल इन्वेस्टमेंट समिट– 2024 को सफल बनाने के लिए राज्य सरकार बड़े पैमाने पर देशी और विदेशी निवेशकों, संस्थाओं और कॉरपोरेट जगत के शीर्ष पदाधिकारियों को आ''ान किया है इन्वेस्टर रोडशो के सिंगापुर चरण का आयोजन वहां मौजूद भारतीय उच्चायोग एवं कन्फेडरेशन ऑफ इंडियन इंड्स्ट्री (सीआईआई) के सहयोग से किया जा रहा है। सीआईआई 'राइजिंग राजस्थान' ग्लोबल इन्वेस्टमेंट समिट 2024 का समिट इंडस्ट्री पार्टनर है। इसके अलावा पीडब्ल्यूसी (ढ६उ) इंडिया इस इन्वेस्टमेंट समिट का नॉलेज पार्टनर है।

मनोहरपुर पुलिस थानाधिकारी राजेन्द्र यादव ने ली सीएलजी सदस्यों की मीटिंग

आगामी दशहरे पर्व की तैयारियों और कानून व्यवस्था को लेकर आयोजित हुई सीएलजी मीटिंग

● सीएलजी बैठक में मनोहरपुर बस स्टैंड पुलिया के नीचे सड़क की खुदाई से होने वाली आवागमन में अव्यवस्था और ट्राफिक जाम का मुद्दा रहा प्रभावी

चमकता राजस्थान

मनोहरपुर।(खलील कुरैशी) जयपुर ग्रामीण पुलिस अधीक्षक आनंद शर्मा के निर्देशन में पुलिस थाना मनोहरपुर के थानाधिकारी राजेंद्र यादव ने थाना परिसर में सीएलजी सदस्यों की महत्वपूर्ण समीक्षा बैठक का आयोजन करा आपको बता दें कि बैठक की अध्यक्षता करते हुए थानाधिकारी राजेंद्र यादव ने सीएलजी सदस्यों, ग्राम रक्षक, पुलिस मित्र सदस्यों और स्थानीय गणमान्यजनों को सांप्रदायिक सौहार्द पूर्वक त्यौहार मनाने का आग्रह किया। इस दौरान उन्होंने व्हाट्सएप मैसेंजर आदि एप्स के माध्यम से आने वाले अनजान नंबरों में वीडियो कॉलस को रिसीव नहीं करने की भी अपील की। उन्होंने कहा कि इस समय वीडियो के कॉल के माध्यम से अनजान लोगों द्वारा भोले-भाले आमजन को अपने जाल में फंसा कर ब्लैकमेल किया जा रहा है। अनजान नंबरों से आने बाली वीडियो कॉल्स से सतर्क रह कर जागरूक रहने का आ''ान किया इस अवसर पर सीएलजी मीटिंग में उपस्थिति लोगो ने बताया कि मनोहरपुर बस स्टैंड पुलिया के नीचे एनएचएआई के द्वारा सड़क की खुदाई कर उसे यू ही छोड़ दिया। ओर वही पुलिया के नीचे दूसरी और सब्जी, फ्रूटआइसक्रीम, चाट भंडार के ठेले लगे हुए हैं जिस पर खरीददारी करने के लिए आने वाले लोग अपने वाहनों को आड़े तिरछे खड़े कर जाते है। जिसके कारण पुलिया के नीचे से बाजार की ओर तक आए दिन जाम लगा रहता है। और वही लोगों ने अवगत करवाया कि शहर में कई लोगों द्वारा बुलेट गाड़ी व मोटरसाइकिल को तीव्र गति चलाते हुए ध्वनि प्रदूषण कर वाहनों को दौड़ते रहते है। जिसके कारण व्यापारी वर्ग महिलाएं व आम नागरिक को काफी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। इसके साथ ही मनोहरपुर कस्बे के अंबेडकर नगर स्थित गंगा माता मंदिर से 12 अक्टूबर को शान बजे से राम दरबार का सजीव रथ दशहरे पर्व पर निकलने की भी सूचना दी गई इस मौके पर मामराज जांगिड़ ने बताया को मेन बाजार होते हुए माधोवेणी नदी में रावण दहन स्थल तक भव्य जुलूस निकाला जाएगा। जिसको लेकर नगर पालिका मार्ग में आने वाले झूलते बिजली के तारों को निर्धारित ऊंचाई पर करने के लिए कहा गया। जिस पर प्रभारी ने जल्द ही समस्या को ठीक करवाने को कहा इस दौरान मार्ग में सफ-सफाई सहित अने वाली बाधाओं को सही करने की बात कही। इस दौरान समाजसेवी मामराज जांगिड़, भाजपा मंडल अध्यक्ष रामप्रकाश नाई,भाजपा नेता जामा मस्जिद सदर जमील खान चौहान, अजय बेनीवाल चक्की वाला, एडवोकेट अशोक व्यास, निखिलेश गोयल, अंजुम खान, सीताराम यादव, बनवारीलाल शास्त्री, रज्जाक खान, व्यापार मंडल अध्यक्ष महेंद्र गुर्जर संतोष माधानी, धर्मेन्द्र व्यास, संपूर्णानंद शर्मा , एडवोकेट रशीद सोलंकी नंदलाल गुर्जर, दिनेश हलकारा, सहित कई पुलिस मित्र, ग्राम रक्षक सीएलजी सदस्य, मीडियाकर्मी भी मौजूद रहें।

हरियाणा की हैट्रिक पर बोले पीएम मोदी

कहा - लोगों ने कमाल कर दिया, कमल-कमल हो गया

नयी दिल्ली/एजेंसी

हरियाणा और जम्मू-कश्मीर विधानसभा चुनावों के नतीजों के बाद भाजपा कार्यकर्ताओं की बैठक को संबोधित करते हुए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा कि हरियाणा में तीसरी बार कमल खिला है। उन्होंने राज्य में पार्टी की हैट्रिक का जिक्र किया। उन्होंने इसे संविधान की जीत भी बताया। जम्मू और कश्मीर व हरियाणा विधानसभा चुनाव के नतीजे घोषित हो चुके हैं।चुनाव आयोग के अंतिम आंकड़ों के अनुसार, भाजपा ने हरियाणा की 90 सीटों में से 48 पर जीत हासिल की है। वहीं, कांग्रेस ने 37 सीटों पर जीत हासिल की है। खास बात है कि भाजपा ने 2019 विधानसभा चुनाव का आंकड़ा पार कर लिया है। उस दौरान पार्टी ने 40 सीटों पर जीत हासिल की थी। जम्मू और कश्मीर विधानसभा चुनाव की सभी 90 सीटों के नतीजे आ चुके हैं। सबसे ज्यादा जम्मू और कश्मीर नेशनल कॉन्फ्रेंस ने 42 सीटें जीती हैं। भाजपा ने 29 और कांग्रेस पार्टी महज 6 सीटें ही जीत पाई। महबूबा मुफ्ती की पार्टी ने तीन सीटें जीती हैं। आम आदमी पार्टी ने भी एक सीट जीती है। 7 सीटें निर्दलीयों के खाते में गई हैं।

न्यूज अपडेट

गोंडा में डिप्टी रेंजर की गाड़ी ने चार को रौंदा, एक मासूम समेत दो की मौत, दो बच्चे घायल

गोंडा/एजेंसी

गोंडा जिले के आर्य नगर बलरामपुर- महाराजगंज मार्ग पर गोपाल बाग के पास एक कार सवार ने चार लोगों को टक्कर मार दी। यह गाड़ी बहराइच में तैनात डिप्टी रेंजर की बताई जा रही है। जिसमें दो लोगों की मृत्यु हो गई है। जबकि दो लोग गंभीर रूप से घायल हो गए। आसपास के लोगों ने इसकी सूचना पुलिस व परिजनों को देते हुए सभी को उपचार के लिए जिला चिकित्सालय ले गए। जहां पर तैनात चिकित्सकों ने दो को मृत्यु घोषित कर दिया। तथा एक मासूम बालक और बालिका का अस्पताल में इलाज चल रहा है। मौके पर पहुंची पुलिस ने गाड़ी को कब्जे में लेकर थाना खरगूपुर को ले गई।

गोंडा जिले के खरगूपुर थाना क्षेत्र के आर्यनगर महाराजगंज मार्ग पर गोपाल बाग में एक कार चालक आर्यनगर से महाराजगंज की तरफ जा रहा था। बलरामपुर महाराजगंज मार्ग पर गोपाल बाग के पास पहुंचा ही थी कि शौच से वापस लौट रहा एक व्यक्ति को ठोकर मारते हुए अनियंत्रित होकर उसके दरवाजे पर रखा कल्टीवेटर से टकराते हुए कस्बा के ही दो लड़कियां सम्मय माता मंदिर से पूजा कर घर वापस जा रही थी। पीछे से दोनों लड़कियों व एक साइकिल सवार को टक्कर मार दी। जिससे सभी लोग गंभीर रूप से घायल हो गए। आसपास के लोगों ने इसकी सूचना पुलिस व परिजनों को देते हुए घायलों को उपचार के लिए जिला चिकित्सालय ले गए। जहां पर तैनात चिकित्सकों ने अंगद लाल विश्वकर्मा उर्फ झुरई लोहार पुत्र राम शब्द उम्र 35 वर्ष गोपाल बाग के रहने वाले तथा शगुन पुत्री पुनीत श्रीवास्तव उम्र 10 वर्ष रुपईडीह गोपाल बाग को मृत घोषित कर दिया। तथा घायल परी पुत्री पुनीत श्रीवास्तव उम्र 14 वर्ष निवासी रुपईडीह गोपाल बाग और रौनक पुत्र लव कुश मिश्रा उम्र 12 वर्ष तिवारी पुरवा कमडावा का जिला अस्पताल में इलाज चल रहा है।

बेटे की हैवानियत

इस बात पर कर दी पिता की हत्या, खून से लथपथ मिली लाश

बगीचा/एजेंसी

शराब पीने के लिए पैसे नहीं मिलने पर अपने 80 वर्षीय पिता को लकड़ी के फारा से मारकर, पिता की निर्मम हत्या करने वाले आरोपी पुत्र अलंग साय को बगीचा पुलिस ने गिरफ्तार कर जेल भेजा है। मामले जिले के थाना बगीचा के ग्राम पुरंगा की है। आरोपी अलंग साय के विरूद्ध थाना में धारा 103-1, का अपराध दर्ज किया गया है। घटना के संबंध में पुलिस सूत्रों से प्राप्त जानकारी के अनुसार, मामले के प्रार्थी दसई राम उम्र 50 साल निवासी पुरंगा ने थाना बगीचा में रिपोर्ट दर्ज कराया कि इसके घर के बगल में इसके चाचा जधिया राम का घर है। वो 5 अक्टूबर की रात्रि लगभग 8:00 बजे अपने घर में बैठा था, उसी दौरान देखा कि इसका चचेरा भाई अलंग साय बस्ती तरफ से शराब के नशे में चूर होकर आया और अपनी पत्नी से पुनः शराब पीने के लिए पैसों की मांग करने लगा। पत्नी द्वारा पैसा नहीं देने पर उसे मारने-पीटने के लिए दौड़ाया। अगली सुबह 6 अक्टूबर को प्रार्थी अपने चाचा को देखने के लिए गांव के एक व्यक्ति को साथ लेकर उनके घर के पास गया था। इस दौरान जधिया साय की पत्नी भी घर में तुरंत आई थी। प्रार्थी द्वारा जधिया साय के बारे में पूछते हुए तीनों जधिया साय के कमरे में जाकर देखा कि वे जमीन पर लेटे थे। हिला-डुलाकर देखने पर उनके सिर पर चोंट लगने से खून निकल रहा था एवं मारपीट करने का निशान दिखाई दिया। जधिया साय की मृत्यु हो चुकी थी। पुलिस की जांच विवेचनो दौरान प्रकरण के आरोपी अलंग साय को दबिश देकर अभिरक्षा में लिया गया। पूछताछ में आरोपी ने उक्त अपराध को घटित करना स्वीकार किया एवं उसके कब्जे से घटना में प्रयुक्त लकड़ी का फारा को जप्त करते हुए गिरफ्तार कर न्यायिक अभिरक्षा में भेजा गया है।

यूपी में रामलीला के दौरान बड़ा हादसा, सीता स्वयंवर के दिन बेकाबू बुलडोजर ने कई लोगों को रौंदा

भदोही/एजेंसी

भदोही में बुलडोजर पर रामलीला का मंचन करना भारी पड़ गया। बेकाबू बुलडोजर ने कईयों को कुचल दिया तो वहीं इस हादसे में गंभीर रूप से घायल एक व्यक्ति को डॉक्टरों ने बेहतर इलाज के लिए आनन-फानन में प्रयागराज के चिकित्सालय रेफर कर दिया। वही अन्य घायलों को पास के अस्पताल में भर्ती कराया गया। इधर पुलिस इस मामले कुछ भी कहने से बचती नजर आई है। यह पूरा मामला कोइरौना थाना क्षेत्र अंतर्गत इनारगांव का है, यहां चैत्र नवरात्रि में जहां मां दुर्गा की पूजा पाठ की जा रही है। वहीं गांव के मैदान में हर वर्ष की भांति इस वर्ष भी रामलीला का आयोजन चल रहा है। बताया जाता है कि रविवार की देर शाम माता सीता के स्वयंवर का मंचन चल रहा था जिसमें धनुष तोड़ने के लिए कई लोग आ रहे थे। वहीं भीड़ के बीच अपनी और अपने रामलीला कमेटी की हनक दिखाने और जनता में कौतूहल मचाने के लिए पेटू राजा को बुलडोजर के माध्यम से मंच पर लाया जा रहा था। रामलीला देखने गए शिवम शुक्ला और अंकित सेठ ने बताया कि रामलीला में प्रभु श्रीराम और सीता स्वयंवर का मंचन था जिसमें सूबे के मुखिया योगी बाबा का बुलडोजर भी था। जिस कारण वहां काफी भीड़ इकट्ठा हो गई थी और स्वयंवर में बुलडोजर से मंच के पास जाते वक्त अचानक चालक का जेसीबी से नियंत्रण हट गया। बेकाबू जेसीबी ने झालर-ट्यूबलाइट की पोल को उखाड़ते हुए बैंड बाजे के समूह को भी अपनी चपेट में ले लिया, कई लोग तो मरते मरते बचे है।

जीत छीन ली गई

कहा- कहानी अभी खत्म नहीं हुई

कांग्रेस ने हरियाणा के नतीजों को मानने से किया इनकार

नयी दिल्ली/एजेंसी

कांग्रेस ने हरियाणा में हार मानने से इनकार कर दिया है। साथ ही पार्टी ने नतीजों में हेरफेर और गड़बड़ी का आरोप लगाया है और कहा है कि वह इसकी शिकायत चुनाव आयोग से करेगी। कांग्रेस ने कहा कि राज्य में उनसे जीत छीन ली गई है। कांग्रेस नेता जयराम रमेश ने मंगलावर शाम को प्रेस कॉन्फ्रेंस कर कहा, 'हरियाणा में नतीजे पूरी तरह से अप्रत्याशित, आश्चर्यजनक और हमारी उम्मीद के विपरीत हैं। यह वास्तविकता के भी उलट हैं। यह हरियाणा लोगों द्वारा तय किए गए बदलाव के खिलाफ हैं। इन परिस्थितियों में, हमारे लिए आज घोषित किए गए परिणामों को स्वीकार करना संभव नहीं है।'

'हेरफेर की जीत'

जयराम रमेश ने आरोप लगाया कि हरियाणा में आज जो देखा, वह हेरफेर की जीत है। उन्होंने कहा कि यह लोगों की इच्छा को विफल करने की जीत है और यह पारदर्शी, लोकतांत्रिक प्रक्रियाओं की हार है। हरियाणा पर अध्याय अभी पूरा नहीं हुआ है।' जयराम ने कहा, 'मैं पूरी दोपहर चुनाव आयोग के संपर्क में रहा। उन्होंने मेरी शिकायतों का जवाब दिया है, मैंने उनके जवाब का जवाब दिया है। हमें हरियाणा के कम से कम तीन जिलों में मतगणना की प्रक्रिया, ईवीएम के कामकाज के बारे में बहुत गंभीर शिकायतें मिली हैं। और भी शिकायतें आ रही हैं। यह जानकारी एकत्र की जा रही है। हमें उम्मीद है कि हम इसे आज या कल चुनाव आयोग के सामने पेश करेंगे। हमसे जीत छीन ली गई है।'

सिस्टम के दुरुपयोग का लगाया आरोप

» यह पूछे जाने पर कि क्या हरियाणा में 16 मौजूदा विधायक के हारने और जम्मू-कश्मीर में केवल नेशनल कॉन्फ्रेंस के साथ गठबंधन में जीतने के बाद पार्टी को आत्मचिंतन की जरूरत है, उन्होंने जवाब देते हुए कहा कि इसके लिए समय आएगा, लेकिन अभी सबसे महत्वपूर्ण यह है कि जीत हमसे छीन ली गई है। सिस्टम का दुरुपयोग किया गया है। कांग्रेस नेता ने कहा कि शुरुआती रिपोर्टों के आधार पर, हरियाणा में कम से कम 12-14 सीटें ऐसी हैं, जहां उम्मीदवारों ने गंभीर सवाल उठाए हैं। यह मतगणना प्रक्रिया की ईमानदारी और ईवीएम की कार्यप्रणाली पर सवाल उठाता है। इस सवाल पर कि क्या पार्टी कानूनी सहारा लेगी, जयराम ने कहा कि चुनाव आयोग उनका पहला पड़ाव है और उसके बाद वह इस पर फैसला करेगा कि और क्या करने की जरूरत है।

ईवीएम पर उठाए सवाल

» उन्होंने कहा, 'ईवीएम की विश्वसनीयता पर गंभीर सवाल हैं और स्थानीय प्रशासन के अधिकारियों पर असाधारण दबाव डाला गया है। हरियाणा में डबल इंजन की सरकार रही है। इसलिए यह डबल इंजन का दबाव था। जो लोग अच्छे अंतर से आगे चल रहे थे, वे 50, 100, 250 वोटों से हार गए। इसे केवल हेरफेर और दबाव से ही समझाया जा सकता है।'

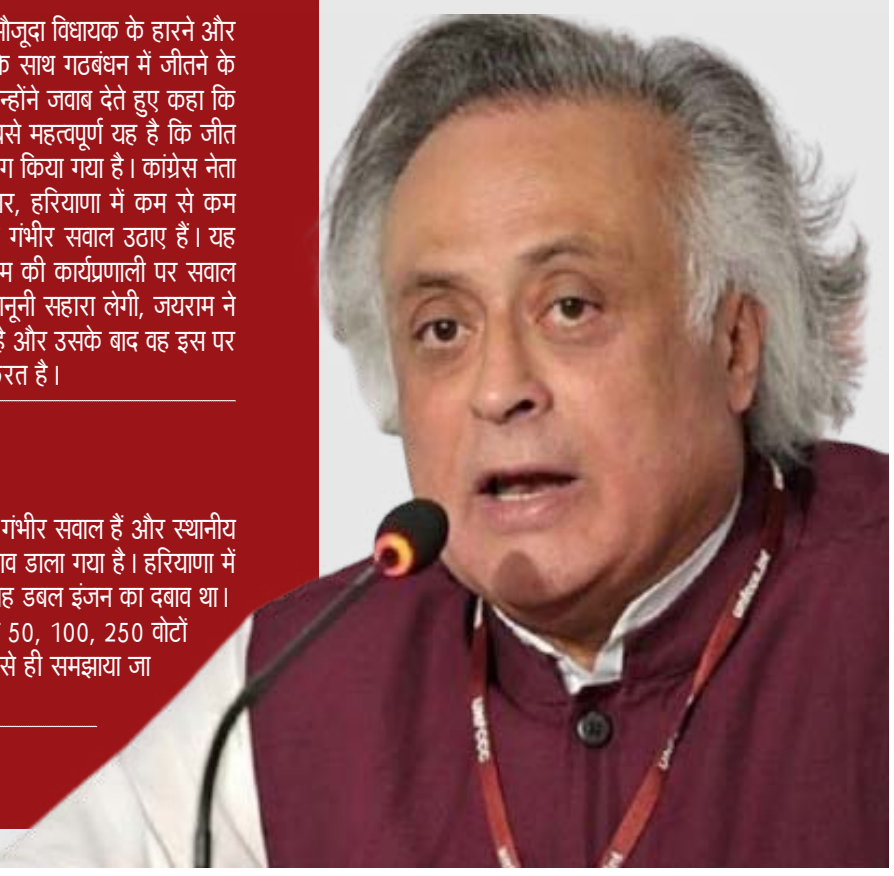

सागर के दुर्ग एवं स्मारक

सागर जिले में सागर शहर में 46 किलोमीटर उत्तर में स्थित धमोनी ऐतिहासिक दृष्टि से अत्याधिक महत्वपूर्ण है। गढ़ा मंडला वंश के एक वंशज, राजा सूरज शाह ने 15वीं शताब्दी में इस कस्बे को बसाया था। उसने यहां ए कदुर्ग का भी निर्माण करवाया था। गौंड शासन काल में धमोनी गढ़ के अंतर्गत 750 ग्राम थे। यद्यपि आज यह क्षेत्र उजाड़ पड़ा है। स्थापित दुर्ग की सुदृढ़ प्राचीरें और एक बड़े भूभाग में फैले खंडहर उसके वैभवशाली अतीत को उजागर करते हैं। धामोनी दुर्ग विंध्य की एक पर्वत श्रेणी पर निर्मित किया गया है। दुर्ग का क्षेत्रफल 52 एकड़ में है। यह त्रिकोणात्मक स्थिति धारण किये हुये हैं और उसका परकोटा 50 फिट ऊंचा तथा 15 फिट चौड़ा है। परकोटे में चारों ओर गोल बुर्ज निर्मित है। पूर्वीय सुरक्षा प्रबंधों को मजबूत करने के लिए दुर्ग के भीतर कुछ स्थानों पर अन्य निर्माण कार्य किया गया है। संभवतः इनसे गोला बारूद रखने और सेना अधिकारियों के आवास स्थान थे।

गढ़पहरा

गढ़पहरा दुर्ग सागर से करीब दस किलोमीटर दूर सागर झांसी मार्ग पर स्थित है। इसका प्रवेश द्वार अपरिष्कृत है। यहां शीश महल के अवशेष हैं जो कभी यहां के डांगी शासकों का ग्रीष्म आवास रहा होगा। यह एक वर्गाकार भवन हैं जो मकबरे से मिलता जुलता है। शीश महल दो मंजिला है। विभिन्न रंगों की चमकदार टाइल्स दांतेदार प्राचीर और गुम्बद में लगे हुए हैं। इसके पास ही एक कब्र है, जिसे पूजा जाता है। इसके बारे में एक रोचक कथा प्रचलित है। कहा जाता है कि कए बार गढ़पहरा के राजा नेएक नटनी से अजीत प्रस्ताव किया। उसने घोषणा कर दी कि यदि नटनी आसपास की दो पहाड़ियों की खाई को रस्सी पर चलकर पार कर ले तो वह नटनी को आधा राज्य दे देगा, परंतु नटनी अपना कर्तव्य पूरा नहीं कर सकी, क्योंकि रानी ने आधा राज्य जाने का खतरा देख रस्सी कटवा दी परिणाम स्वरूप नटनी खाई में गिरकर मर गई। गढ़पहरा को कभी डांगी राज्य की राजधानी होने का गौरव प्राप्त था। गौंड़ शासक संग्रामशाह के समय में यह गढ़ (जिले) का मुख्यालय था, जिसमें 360 मौजे थे। कहते हैं कि बाद में डांगी राजपूतों ने इस पर विजय प्राप्त कर ली। डांगी राजपूत अपने आप कोनखर के कछवाह राजपूत राजा डांग का वंश मानते थे। इस वंश के केवल तीन राजाओं के नाम ज्ञात हैं। ये थे पृथ्वीपत, महाराजकुमार और मान सिंह। पृथ्वीपथ, सन् 1681 के लगभग मुगलों के जागीरदार के रूप में गढ़पहरा का शासक था। महाराज छत्रसाल के पुत्र ने उससे यह किला छीन लिया था और उसे सागर शहर के वर्तमान परकोटा क्षेत्र में रहने को मजबूर कर दिया था जहां वह 1732 तक रहा।

धमोनी दुर्ग

सागर जिले में सागर शहर में 46 किलोमीटर उत्तर में स्थित धमोनी ऐतिहासिक दृष्टि से अत्याधिक महत्वपूर्ण है। गढ़ा मंडला वंश के एक वंशज, राजा सूरज शाह ने 15वीं शताब्दी में इस कस्बे को बसाया था। उसने यहां ए कदुर्ग का भी निर्माण करवाया था। गौंड शासन काल में धमोनी गढ़ के अंतर्गत 750 ग्राम थे। यद्यपि आज यह क्षेत्र उजाड़ पड़ा है। स्थापित दुर्ग की सुदृढ़ प्राचीरें और एक बड़े भूभाग में फैले खंडहर उसके वैभवशाली अतीत को उजागर करते हैं। धामोनी दुर्ग विंध्य की एक पर्वत श्रेणी पर निर्मित किया गया है। दुर्ग का क्षेत्रफल 52 एकड़ में है। यह त्रिकोणात्मक स्थिति धारण किये हुये हैं और उसका परकोटा 50 फिट ऊंचा तथा 15 फिट चौड़ा है। परकोटे में चारों ओर गोल बुर्ज निर्मित है। पूर्वीय सुरक्षा प्रबंधों को मजबूत करने के लिए दुर्ग के भीतर कुछ स्थानों पर अन्य निर्माण कार्य किया गया है। संभवतः इनसे गोला बारूद रखने और सेना अधिकारियों के आवास स्थान थे। कर्नल स्लीमन ने जिसने करीब डेढ़ सौ बरस पहले 4 दिसंबर 1835 को इस स्थान की यात्रा की थी, धामोनी का निम्नलिखित वर्णन किया। यहां एकमात्र असाधारण वस्तु भव्य कला है, जो विंध्य पर्वत श्रेणी के एक नुकीले भाग पर निर्मित है। दोनों ओर दो अत्याधिक गहरी खाइयां हैं, इनके बीच में धसान नदी की दो शाखाएं उच्चतम भूमि से निकलकर बुंदेलखंड के मैदानों में बहती है। सर्य की किरणों इन गहरी खाइयों के तल तक शायद ही पहुंच पाती हों और उसके फलस्वरूप वहां जो चीजें उगती हैं वे अधिक खुले बागों में नहीं उग सकती। नीचे नदी के कछारों की समतल भूमि का इंच इंच भाग बड़ी सावधानी से बोया गया है। कहा जाता है कि इस किले को बनवाने में दस लाख रुपये से अधिक की राशि व्यय की गई थी।

प्रसिद्ध मजार

धामोनी में दो मुसलमान संतों की मजारे हैं। इनमें से एक है बालजीतशह अथवा बाबा साहब की मजार और दूसरी है मस्तान शाह बली की मजार। कहा जाता है कि बालजीतशाह अबुल फजल के गुरू थे। जो भी हो इतना प्रमाणित है कि मध्ययुग में धामोनी एक महत्वपूर्ण केन्द्र था, जहां की अनेकानेक घटनाएं इतिहास पर अमिट छाप छोड़ गई हैं।

गढ़ाकोटा

यह किला भी सागर जिले में सागर शहर के करीब 43 मीटर पूर्व में सागर दमोह सड़क के पास स्थित है। गढ़ा मण्डला के गोंड राजा संग्राम शाह के विशाल राज्य में 52 गोंड थे। उनमें गढ़ाकोटा भी एक था, जिसें उस समय 360 ग्राम शामिल थे। सत्रहवीं शताब्दी में यह दुर्ग राजपूत सरदार चंद्रशाह के कब्जे में आया, जिसने इस दुर्ग का निर्माण कराया था पहले यह कोट कहलाता था, परंतु कालांतर में यह दुर्ग गढ़ाकोटा के नाम से जाना जाने लगा।

राहतगढ़

यह दुर्ग सागर से चालीस किमी पश्चिम में स्थित है। राहतगढ़ दुर्ग कंगूरेदार प्राचीरों द्वारों और महल के अवशेषों मंदिरों और मस्जिदों के लिये प्रसिद्ध है। ग्यारहवीं शताब्दी में यह क्षेत्र परमार राजाओं के अंतर्गत था। इसकी जानकारी यहां प्राप्त एक खंडित शिलालेख से मिलती है। बाद में यह गढ़ा मंडला के गौंड़ शासन के अंतर्गत था। संग्राम शाह के समय राहतगढ़ का उल्लेख एकगढ़ के रूप में दिया गया है, जिसमें 350 गांव थे। रानी दुर्वती के वीरतापूर्ण बलिदान के बाद गौंड वंश के चंद्राशाह ने गौंड सिंहासन पर अपना दावा जताने के लिये इसे मुगल बादशाह को दे दिया था। सन् 1857 के विद्रोह के समय इस पर विलायतियों के एक साहसी दल की सहायता से गढ़ी अम्बापानी के नबाव के एक वंशज फजल मोहम्मद खान ने अधिकार कर लिया था। कर लगाकर और अंग्रेजों के साथ मेलजोल रखने वाले संदिग्ध व्यक्तियों को कड़ा से कड़ा दंड देकर वह अपना प्राधिकार स्थापित करने में सफल रहा। जब सरहयूरोज 24 जनवरी को सबेरे इस किले के सामने पहुंचा तब उसने देखा कि विद्रोही नहर खोद रहे हैं और खाई खोदकर नगर को अच्छी तरह घेर रहे हैं। थोड़ी देर की तीव्र मुठभेड़ के बाद अंग्रेज फौजी टुकड़ियों ने पूरी तरह उसे घेर लिया। घेरने वालों की बंदूकें किले पर लगातार गोलियों की वर्षा करती रहीं।

28 जनवरी को दस बजे रात्रि की एक बहुत बड़ा छेद कर दिया गया उसी समय किले की रक्षक सेना की सहायता के लिये बानपुर का राजा एक बड़ी फौज का नेतृत्व करते हुए आगे बड़ा तथापि एक छोटी लड़ाई के बाद उसकी फौजी टुकड़ियां लौट गयी। इस पराजय ने किले की रक्षक सेना को इतना निराश किया कि वह किले के गुप्त द्वार और दक्षिण पश्चिम के मुण्डेर के नीचे खोदे गये एक छेद से भाग गई। 29 तारीख की सबेरे विद्रोहियों को पकड़ने में सफल रही। किले पर कब्जा करने के बाद ही नृशंस प्रतिहिंसा प्रारंभ कर दी गई। 30 तारीख को फजल मुहम्मद की लाश कामदार खान की लाश के साथ ही साथ दरवाजे पर लटका दी गई। किले के भीतर नमक तथा अनाज का एक बहुत बड़ा भंडार मिला, जो एक साल तक के लिए पर्याप्त था। भीतर ही कुछ ऊंट, पशु और कुछ घोड़े मुहममद फजल के थे। एक पर चांदी की जीन कसी हुई थी। इसके साथ ही किले में तोप और गोला एलने का एक सांचा और प्रचुर पत्र व्यवहार मिला। राहतगढ़ दुर्ग की बाहरी दीवार में 26 मीनारें हैं। दुर्ग का क्षेत्रफल 66 एकड़ हैं। इसमें पहुंचने का मार्ग एक लम्बे घुमावदार मार्ग से हैं। अंतिम दरवाजा उस महल के आंगन तक पहुंचता है जिसे अत्याधिक ऊंचाई और उच्च स्थिति के कारण बादल महल कहते हैं। इसका संबंध गढ़ा मण्डला के एक राजगौंड़ मुखिया के साथ जोड़ा जाता है, क्योंकि इस पर से कैदियों को नीचे बीना नदी की नुकीली चट्टानों पर झोंक दिया जाता था। इसी के पास सामान्य मरम्मत की स्थिति में एक सुंदर कमानीदार मस्जिद है।

सागर का किला

सागर शहर का सबसे उल्लेखनीय स्मारक यहां का प्राचीन किला है जो कि तालाब के उत्तर पश्चिम में एक ऊंचे स्थान पर निर्मित किया गया है। इसमें अनेक गोलाकार बुर्ज हैं, जिनकी ऊंचाई 20 से 40 फीट तक है। यह बुर्ज वर्गाकार 400 गज लंबी और 150 चौड़ी दीवार से जुड़ा हुआ है। इसमें अब पुलिस प्रशिक्षण महाविद्यालय स्थित है। इस महाविद्यालय की स्थापना सन् वर्ष महाविद्यालय के लिए स्थान की व्यवस्था करने की दृष्टि से सेना द्वारा यह किला नागरिक प्रशासन को सौंप दिया गया था। सागर जिले का क्षेत्र और यह दुर्ग ऐतिहासिक घटनाओं का केन्द्र रहा है। महाराजा छत्रसाल बुंदेला ने इस क्षेत्र को अपने राज्य में मिला लिया था और सात तोपों सहिमत अपने सैनिकों को वहां तैनात किया था। मुगल सेनापति बंगश के विरुद्ध युद्ध में बाजीराव पेशवा ने जो सहायता दी थी उससे प्रसन्न होकर महाराजा छत्रसाल ने अपने अनुसार वह इलाका मराठों के कब्जे में चला गया। बाद में सन् 1818 में पेशवा को राजगद्दी से हटा देने के कारण सागर और दमोह तथा अन्य क्षेत्र ब्रिटिश साम्राज्यों में मिला लिये गये थे। पेशवा के सागर स्थित प्रतिनिधि, विनायकराव ने सागर का किला दिनांक 11 मार्च 1818 को अंग्रेजों को सौंप दिया था। सन् 1857 के महान विद्रोह में यह किला अंग्रेजों की शरण स्थली बना रहा। विद्रोहियों ने जब सागर जिले के अधिकांश भूभाग को अपनी सुरक्षा के लिये यह किला ही उनका सम्बी था7 बाद में मालवा की ओर सेसरफरोज एक बड़ी सैनिक शक्ति के साथ सागर पहुंचा और उसने सागर जिले के विभिन्न किलों पर कड़े संघर्ष के बाद कब्जा कर लिया।

बुन्देलखण्ड की लोक संस्कृति का वैभव

भारत के हृदयस्थल में बसा हुआ विन्ध्य भूमि का बुन्देलखण्ड क्षेत्र अपने असाधारण शौर्य साहित्यिक और सांस्कृतिक परम्पराओं का एक उज्जवल इतिहास लिए हुए है। महाराज छत्रसाल के नेतृत्व में वीर बुन्देलों ने इसकी माटी को अपने हृदय की लाल बूंदो से सींचा है और वीर बुन्देलों के हृदय रक्त की वे ही उज्जल बूंदे पन्ना की खदानों से चमकदार हीरों के रूप में निकल कर विश्व के बाजारों में अपनी साख बनाए हुए है। यदि मध्यप्रदेश की मालवा भूमि को पग-पग पर रोटी और डग-डग पर पानी का नाज है, तो बुन्देलखण्ड की इस उर्वरा भूमि को भी अपने पग-पग शौर्य और डग-डग पर अपनी साहित्यिक और सांस्कृतिक परम्पराओं पर कुछ कम गर्व नहीं है। यहॉ जन्मे महाकवि पद्माकर ,केशवदास, जगनिक के अलावा यहॉ की धरती के रोम-रोम में ईसुरी पूरी तरह से छाये हुए है। उनकी लिखी हुई राई बेड़नियों तक में अपनी समा बॉध देती है।

फाग के दिनों में जब बसंत अपने वैभव पर होता है और खेतों में गेहूं की बालें मस्ती में झूमती हुई विकास को अपने परिश्रम की कमाई के प्रति आश्वस्त कर देती हैं, तब खलियानों में उनके पांव भी उसी मस्ती के साथ थिरकने लगते हैं। लोक नृत्य राई वाले घर-घर जाते हैं और लोग रंग, गुलाल, भांग तथा अर्थ भेंट कर उन कलाकारों का सम्मान करते हैं।

गगरी झलके पग धरे, अरे गोरी लफ-लफ जाये जैसी राई गाते हैं। ठंड के दिनों में चौपालों पर अलाव जलता रहता है और आल्हा गाने वाले अपनी ढोलक की थाप कर आल्हा गाते हुए श्रोताओं में वीर रस का ज्वार जगा देते हैं। कवि जगनिक के आल्हा ने एक वीर क्षत्राणी की वीर रस की इसी भावना को इस रूप में सजीव खड़ा कर दिया है-

यही विनय अंतिम, अब मोरी,
मारी चंदेले जाय,
लड़ियों ऐसे समर भूमि में,
जुग-जुग साको चले तुम्हार।
पांव पिछारू तुम नहिं धरियो,
नहिं छत्रीपन, जाय नसाय,
जो सुन पैहों भगे कनौजीं,
तो में पेट फारि मर जाऊं,

बुंदेलखंड के बरेदी नृत्य भी काफी लोकप्रिय हैं। दिवाली के दूसरे दिन गोवर्धनकी पूजा के दिन ढोर चराने वाले बरेदियों का यह लोक नृत्य बहुत आकर्षक है-

गैयों की करों आरती, भैंसों को करो सिंगार
बेलों के पग पूजिए, ये हैं धरती के उठावनहार।
प्रीति तो ऐसी करिये जैसे लोटा-डोर।
अपने गलो फंसाय के पानी लादे बोर।
गैयों की करो आरती, भैंसों को करो सिंगार।

संक्रांति के मेले के समय अपनी-अपनी कांवर लेकर समूह में श्रृद्धालु देहाती जब नर्मदा स्नान करने के लिए जाते हैं तब वे नर्मदा के महत्व को घर-घर अलख जगा देते हैं-

नरवदा अरे, ऐसी तो मिली रे।
ऐसी मिली हैं, जैसे मिल गए मतारी और बाप रे।
नरवदा की मुरकन में रे, भीजे चुनरिया के छोर रे।
नरवदा मैया हो।
हाथी दरवाजे मोसे बिसरत नैया,
बिरत नैया रे नरवदा के
ढाई दिया र मोरी गुइयां छिकी,
पैले पा रे, नरबदा अरे।

इसी तरह विवाह के समय रसोई की तैयारी करते समय स्त्रियां इस गीत को गाते हुई काफी तन्मय हो जाती हैं-

भुनसारे चिरैया काय बोली,
भुनसारे चिरैया काय बोली,
काय बोली, कैसी बोली,
भुनसारे चिरैया काय बोली।
ठंडे सो पानी गरम कर लाई, सपरन न पाए राजा फिर बोली,
भुनसारे चिरैया काय बोली।
रेशम की धोती घड़ी लाएं, ठोडी, पेरन न पाए राजा फिर बोली।
ताती जलेबी, मुगद के लडुआ।
जेवन न पाए राजा फिर बोली।
पाना पचासी के बीड़ा लगाये।
राचन ना पाये राजा फिर बोली।
भुनसारे चिरैया काय बोली।

कार्तिक महीने में कार्तिक स्नान कर जाती हुईं स्त्रियां कितनी तन्मयता से गीत गाती हुई श्रोताओं को आत्म विभोर कर देती हैं। इस बुंदेल खंडी लोक गीत में एक गोपी कृष्ण को दही देकर प्रातः काल आने का आश्वासन देती है। यह कहती है कि यदि कृष्ण को हमारी बात का यकीन न हो तो वे अपनी बहुमूल्य चीरें गिरवी रखने को तैयार हैं-

आ जेहों बड़े भोर, दही तो लेके आ जैहों बड़े भोर।
न मानो मटकी धर राखी, सगरे बिरज को मोल।
आ जैहों बड़े भोर।
न मानो कुडरी धर राखो मुतियन जड़े करीर।
न मानो चुनरी धर राखो, लिखे हैं पपीहा मोर।

शहर जयपुर में यातायात की सुगमता के संबंध में अवरोधकों को हटाने सहित महत्वपूर्ण बिंदुओं पर हुई मुखर रूप से समीक्षा

जयपुर विकास आयुक्त आनन्दी की अध्यक्षता में जेडीए सभागार में आयोजित हुई ट्रेफिक कन्ट्रोल बोर्ड की बैठक

आगामी त्यौहारों और राज्य सरकार के अंतराष्ट्रीय स्तर के कार्यक्रम के तहत यातायात के उचित प्रबंधन पर रहा बैठक का फ़ोकसः जितेन्द्र सोनी कलक्टर जयपुर

चमकता राजस्थान

जयपुर!(खलील कुरैशी) 09 अक्टूबर। जयपुर विकास आयुक्त आनंदी की अध्यक्षता में जेडीए के मंथन सभागार में ट्रेफिक कन्ट्रोल बोर्ड की बैठक सम्पन्न हुई। बैठक में विभिन्न एजेण्डों पर विचार-विमर्श कर निर्णय लिये गये। बैठक में कलक्टर जयपुर, एडीशनल कमिश्नर (ट्रेफिक), आवासन आयुक्त, डीसीपी ट्रेफिक, आयुक्त नगर निगम ग्रेटर जयपुर, क्षेत्रीय परिवहन अधिकारी परिवहन विभाग, अति. आयुक्त जेडीए, अति. आयुक्त नगर निगम हैरिटेज, जेडीए के अभियांत्रिकी निदेशक-प्रथम एवं द्वितीय, निदेषक आयोजना, अतिरिक्त मुख्य अभियंता - सदस्य सचिव टीसीबी, मुख्य नियंत्रक प्रवर्तन, स्मार्टसिटी, पीडब्ल्यूडी, एनएचएआई, रीको के अधिकारीगण, मुस्कान एनजीओ के प्रतिनिधि उपस्थित थे।टीसीबी द्वारा ई-चालान का फास्टटैग के माध्यम से भुगतान के क्रम में परिवहन विभाग एवं एनएचएआई के अधिकारियों को बैठक आयोजित करने के निर्देश दिए। यातायात के सुगम संचालन हेतु अवैध बोर्ड्स/साइनेजस, सड़क घुमाव पर बिजली की पोल/ट्रांसफार्मर इत्यादि को हटाए जाने के निर्देश दिए गए। इसके साथ ही जेब्रा क्रॉसिंग को दुरुस्त करने, जेब्रा क्रॉसिंग के अवरोधकों को हटवाए जाने के निर्देश दिए। मीडियनस को ऊंचा करने, अनुपयोगी साइनेजस/बोर्ड, ट्रेफिक लाइट्स को ठीक करने एवं ट्रैफिक लाइटस के सामने अवरोधको को हटवाए जाने के निर्देश दिए।बैठक में ट्रैफिक सिग्नल लाइट हेतु सिग्नल फाल्ट मॉनिटरिंग सिस्टम की स्थापना हेतु ट्रैफिक सिग्नल लाईट में मैनुअल के स्थान पर ट्रेफिक कन्ट्रोल रूम से ऑनलाईन सिग्नल टाईमिंग में बदलाव की सुविधा, सिग्नल खराब होने पर अलर्ट की सुविधा, कॉरिडोर में यातायात दबाव के अनुरूप सिग्नल सिंक्रोनाइज की सुविधा हेतु फीजिबिलिटी चेक करने के निर्देश दिए। बैठक में प्रादेशिक परिवहन विभाग द्वारा भांकरोटा चौराहा, हीरापुरा बस टर्मिनल, 200 फीट, बदरवास तिराहा, किसान धर्म कांटा मानसरोवर, मेट्रो स्टेशन, गंगा जमुना चौराहा, गुर्जर की थडी, रिद्धि सिद्वि चौराहा, त्रिवेणी नगर, गोपालपुरा मोड, सरस पुलिया, ओ.टी.एस. चौराहा, मयुर वाटिका, प्रधान मार्ग, मालवीय नगर, कैलगिरी अस्पताल, अपेक्स सर्किल, बालाजी मोड, जगतपुरा पुलिया, 7 नम्बर चौराहा, आबकारी थाना, हब कोचिंग सेन्टर, घोडा सर्किल, एन.आर.आई सर्किल, द्वारकापुरी, अक्षयपात्र, बॉम्बे हॉस्पिटल, जीवनरेखा अस्पताल तक 39.4 किमी में एक नवीन मार्ग की फीजिबिलिटी चेक करने के निर्देश दिए।बैठक में बताया गया कि उपायुक्त पुलिस (यातायात) को नगर निगम/परिवहन विभाग के साथ सयुंक्त जांच कर पुलिस थाना अनुसार ई-रिक्षा पार्किंग एवं चार्जिंग के स्थान चिन्हित करने हेतु पत्र प्रेषित किया गया।
बैठक में जयपुर रेल्वे स्टेशन से रोड/फुटपाथ पर किये गये स्थाई अतिक्रमणों के संबंध में नगर निगम हैरिटेज द्वारा कार्यवाही संपादित किए जाने हेतु एक्शन प्लान तैयार करने एवं रेल्वे विभाग के साथ शीघ्र ही बैठक आयोजित करने के निर्देश दिये। इसके साथ ही बैठक में बताया गया कि बालाजी मोड तिराहे पर सुगम यातायात हेतु जेडीए द्वारा सुधारीकरण कार्य करवाया जा रहा है।

संक्षिप्त समाचार

निफ्ट जोधपुर में वैदिक मंत्रोच्चार से मां सरस्वती की प्रतिमा हुई स्थापित

चमकता राजस्थान। जोधपुर। राष्ट्रीय फैशन प्रौद्योगिकी संस्थान में बुधवार को वैदिक मंत्रोच्चार के साथ मां सरस्वती की दिव्य मूर्ति की स्थापना कराई गई। इस वैदिक अनुष्ठान को पंडित देवराज दवे ने विधि विधान से हवन के साथ सम्पन्न कराया। इसके बाद मां सरस्वती को लाल चुनरी ओढ़ाई गई। इस कार्यक्रम में निदेशक प्रो. जीएचएस प्रसाद ने अपनी धर्मपत्नी जी. रोजा रमानी के साथ जोड़े से समस्त विधान सम्पन्न किए। इसके बाद सभी फैकल्टी और कर्मचारियों ने मां सरस्वती की पूजा अर्चना की। कार्यक्रम में बडी संख्या में स्टूडेन्ट्स ने भाग लिया। निदेशक प्रो. जीएचएस प्रसाद ने बताया कि कैंपस में सरस्वती मां की प्रतिमा स्थापित की गई है, मां सरस्वती से स्टूडेन्ट्स में सकारात्मक एनर्जी का संचार होता है। इस मौके पर स्टूडेन्ट्स ने सरस्वती वंदना एवं रंगारंग सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत किए। निफ्ट के असिस्टेंट प्रोफेसर एवं जनसंपर्क अधिकारी डॉ मनीष शर्मा ने बताया कि इस मौके पर भव्य हवन का आयोजन किया गया जिसमें सभी स्टूडेन्ट्स ने आहुतियां दी। इसके बाद सामूहिक रूप से हनुमान चालीसा का पाठ किया गया, जिसमें सभी फैकल्टी मैबर्स और कर्मचारी उपस्थिति रहे।

रतन टाटा के निधन पर केंद्रीय मंत्री भागीरथ चौधरी ने जताया शोक, कहा- देश ने अपना अनमोल रतन खोया

चमकता राजस्थान। जयपुर (खलील कुरैशी) केंद्रीय कृषि एवं किसान कल्याण राज्य मंत्री भागीरथ चौधरी ने दिग्गज उद्योगपति और समाजसेवी रतन टाटा के निधन पर गहरा शोक एवं दुख व्यक्त किया। केंद्रीय मंत्री भागीरथ चौधरी ने सोशल मीडिया पर शोक संदेश में लिखा कि देश एवं दुनिया के प्रसिद्ध उद्योगपति, महान देशभक्त एवं पद्मविभूषण से सम्मानित श्री रतन टाटा जी के

निधन का समाचार अत्यंत दुःखद एवं पीड़ादायक है।केंद्रीय कृषि राज्य मंत्री भागीरथ चौधरी ने कहा कि रतन टाटा का निधन देश के औद्योगिक जगत के लिए अपूरणीय क्षति है। आज देश ने अपना अनमोल रतन खोया है। औद्योगिक जगत में अपने उत्कृष्ट योगदान के साथ समाज सेवा के क्षेत्र में अपने बेहतरीन कार्यों के लिए उन्हें सदैव याद किया जाएगा। उन्होंने ना सिर्फ़ भारतीय उद्योग जगत को नई ऊंचाइयों पर पहुंचाया, बल्कि अपने सामाजिक कार्यों से भी अनगिनत जिंदगियों को छुआ है। ईश्वर उनकी महान दिवंगत आत्मा को अपने श्रीचरणों में स्थान दें।

मुख्यमंत्री का एक दिवसीय डूंगरपुर दौरा

वागड़ क्षेत्र के सर्वांगीण विकास के लिए राज्य सरकार प्रतिबद्धः सीएम भजनलाल

चमकता राजस्थान

जयपुर, 9 अक्टूबर। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने कहा कि राज्य सरकार विकसित राजस्थान के लक्ष्य की ओर निरंतर कार्य कर रही है। ऐसे में अधिकारी-कर्मचारी आमजन को बिजली, पानी, चिकित्सा, शिक्षा जैसी मूलभूत सुविधाएं सुलभता से उपलब्ध कराने के लिए कर्तव्यनिष्ठा एवं समर्पण भाव के साथ कार्य करें। उन्होंने इन कार्यों में कोताही बरतने वाले कार्मिकों पर सख्त कार्यवाही करने के निर्देश दिए। मुख्यमंत्री शर्मा बुधवार को डूंगरपुर के गुरुकुल संस्थान सभागार में आयोजित जिला स्तरीय बैठक

की अध्यक्षता कर रहे थे। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार वागड़ क्षेत्र के सर्वांगीण विकास के लिए विशेष प्रयास कर रही है। उन्होंने सार्वजनिक निर्माण विभाग के विकास कार्यों को पूर्ण गुणवत्ता के साथ पूरा करने एवं पीएम सूर्य घर मुफ्त बिजली योजना के व्यापक प्रचार-प्रसार के निर्देश दिए।
मौसमी बीमारियों की करें प्रभावी रोकथाम मुख्यमंत्री ने कहा कि चिकित्सा एवं स्वास्थ्य विभाग मौसमी बीमारियों की प्रभावी रोकथाम करें। उन्होंने आमजन को त्वरित एवं सुलभ उपचार उपलब्ध कराने की दृष्टि से प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्रों, उप स्वास्थ्य केंद्रों, सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्रों एवं जिला अस्पताल पर दवाईयों की पूर्ण उपलब्धता एवं चिकित्सक एवं नर्सिंगकर्मियों की मौजूदगी सुनिश्चित करने के निर्देश भी दिए। उन्होंने जल जीवन मिशन के कार्यों की विस्तृत समीक्षा भी की। राइजिंग राजस्थान समिट के तहत गतिविधियों की ली जानकारी– शर्मा ने कहा कि सिंचाई विभाग डूंगरपुर जिले की भौगोलिक परिस्थितियों के अनुसार किसानों को पर्याप्त सिंचाई का पानी उपलब्ध कराने के लिए विशेष कार्ययोजना भी बनाएं। उन्होंने जिला कलक्टर को जनकल्याणकारी योजनाओं व जिले में संचालित मुख्य विकास कार्यों को समयबद्ध रूप से पूरा करने के लिए निर्देशित किया। साथ ही, उन्होंने 'राइजिंग राजस्थान ग्लोबल इनवेस्टमेंट समिट-2024' के तहत जिला स्तरीय गतिविधियों के संबंध में जानकारी लेते हुए स्थानीय उद्योगों को बढ़ावा देने एवं रोजगार के नवीन अवसर सृजित करने के लिए अधिकारियों को दिशा-निर्देश प्रदान किए।बैठक में जनजाति क्षेत्रीय विकास मंत्री एवं जिला प्रभारी मंत्री बाबूलाल खराड़ी, विधायक श्रीचंद कृपलानी सहित संभागीय एवं जिला स्तर के उच्च अधिकारी मौजूद रहें।

अल्पसंख्यकों बिछड़ापन खराब स्थिति के लिए कांग्रेस जिम्मेदार मेवाती

चमकता राजस्थान

- **योजनाओं के बल पर भाजपा के सदस्य बनाएं पूर्व मंत्री अली**

बाड़मेर। बाड़मेर भाजपा कार्यालय में मोर्चा के जिला अध्यक्ष अकबर खान समेजा की अध्यक्षता में मोर्चे की बैठक हुई जिसमें भाजपा अल्पसंख्यक मोर्चे के प्रदेश अध्यक्ष हमीद खान मेवाती शामिल हुए उन्होंने कहा देश पर 70 साल से राज करने वाली कांग्रेस सरकार ने अल्पसंख्यकों की स्थिति पर ध्यान नहीं दिया यह बाद भाजपा अल्पसंख्यक मोर्चा के प्रदेश अध्यक्ष हमीद खान मेवाती ने कहा कांग्रेस ने अल्पसंख्यकों को केवल वोट बैंक समझा भारतीय जनता पार्टी अल्पसंख्यक मोर्चे के प्रदेश अध्यक्ष हमीद खान मेवाती ने भाजपा सदस्यता अभियान के तहत बाड़मेर प्रवास के दौरान भाजपा अल्पसंख्यक मोर्चे के कार्यकर्ताओं को संबोधित करते हुए कही उन्होंने कहा कांग्रेस ने अल्पसंख्यकों को हमेशा बंधुवा मजदूर के रूप में इस्तेमाल किया उन्हें भाजपा ए नाम से डरा धमकाकर विकास से महरूम रखा और अल्पसंख्यकों की विकास और शिक्षा में स्थिति खराब के लिए कांग्रेस जिम्मेदार है उन्होंने भाजपा अल्पसंख्यक कार्यकर्ताओं से आवाहन किया ज्यादा से ज्यादा भारतीय जनता पार्टी के सदस्य बनकर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी मुख्यमंत्री भजन लाल सरकार के विकास में भागीदार बने इस मौके पर पूर्व राज्य मंत्री अशरफ अली ने कहा योजनाओं के बल पर जोड़े लोगों को सरकार की लोक कल्याणकारी योजनाओं भागीदारी निभाते हुए अधिक से अधिक लोगों को भाजपा सदस्य बनाएं प्रदेश अध्यक्ष ने कहा राजस्थान में करीब 125 करोड़ सदस्य बनेगे उसमें अल्पसंख्यकों की अहम भूमिका है इस मौके पर प्रदेश अध्यक्ष प्रदेश उपाध्यक्ष अयूब खान ने कहा भारतीय जनता पार्टी विकास पर विश्वास करती है सबका साथ सबका विश्वास को लेकर चलती है अल्पसंख्यक द्वारा को ज्यादा से ज्यादा सदस्यता अभियान में जुड़ने का आ''ान किया प्रदेश मंत्री कसम भाई राठौड़ ने कहा अल्पसंख्यक को डबल इंजन की सरकार में सहयोग कर अपनी भागीदारी निभानी चाहिए इस मौके पर जिला अध्यक्ष मोर्चा के अकबर खान समेजा ने लोगों का आभार व्यक्त किया इस मौके पर जिला महामंत्री अब्दुल रहमान तेली पीर सैयद जमन शाह सुल्तान खान खानु खा राजड जमील खा राजड खुदा बक्स सतार फकीर जबार अलानुर रसीद खिलजी उमेदा खा यार खान राजड सुमार खा करीम भजपाई अमीन खा रजाक खा बुकड ऐसी मोर्चे के जिला अध्यक्ष बिरमाराम मेघवाल पूर्व प्रधान कुंभाराम भाजपा कार्यालय मंत्री ईश्वर नवल सहित केई लोग मौजूद थे मंच का संचालन जिला महामंत्री अब्दुल रहमान अमन ने किया।

प्रताप नगर में विशाल दशहरा मेला एवं राष्ट्रीय कवि सम्मेलन का भूमि पूजन कार्यक्रम का हुआ विधिवत आयोजन

चमकता राजस्थान

जयपुर (खलील कुरैशी) प्रताप नगर विकास समिति द्वारा दिनांक 11 एवं 12 अक्टूबर 2024 को आयोजित होने वाले दो दिवसीय विशाल दशहरा मेला एवं राष्ट्रीय कवि सम्मेलन मैं होने वाले कार्यक्रम का आज भूमि पूजन द्वारा आगाज हुआ। प्रताप नगर विकास समिति के महासचिव ओम प्रकाश बाहेती एवं मेला संयोजक चेतन जैन निमोडिया ने बताया कि दिनांक 11 अक्टूबर को प्रातः 10.30 बजे विजय उत्सव रैली निकली जाएगी जिसका नेतृत्व विधायक श्री बाल मुकुंद आचार्य द्वारा किया जाएगा सायं 6 बजे से राष्ट्रीय कवि सम्मेलन का आयोजन होगा जिसमें राष्ट्रीय कवि शशिकांत यादव राजकुमार बादल दीपक पारीक गौरव चौहान प्रहलाद चांडक एवं कवियत्री सुमित्रा सरल एवं मीरा दीक्षित द्वारा काव्य पाठ किया जाएगा।दिनांक 12 अक्टूबर को दशहरा मेला आयोजित किया जाएगा जिसमें शस्त्र पूजन किया जाएगा, आर्केस्ट्रा पर संगीत एवं नृत्य का रंगारंग कार्यक्रम आयोजित होगा, खाने पीने की स्टॉल्स लगेगी, अनेक प्रकार के झूले लगेंगे तथा 51 फीट के रावण का दहन किया जाएगा। रावण खून के आंसू रोएगा।इस मेले में राजस्थान के मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा लोकसभा सांसद मंजू शर्मा एवं अनेक कैबिनेट एवं राज्य मंत्रियों, विधायकों व अनेक गणमान्य लोगों को आमंत्रित किया गया है।भूमि पूजन पंडित संत कुमार शुक्ला द्वारा विधि विधान पूर्वक मंत्रोचार के साथ संपन्न करवाया गया। भूमि पूजन में योजन शर्मा सहसंयोजक, डॉक्टर गिरिराज शर्मा, के एल शर्मा, प्रेमचंद दफ्तरी, तुलसी सिंधी, अशोक पनपालिया, रेखा शर्मा, हंसराज, राजेश शारदा, अनिल शर्मा, सुभाष शर्मा, गौरी शंकर स्वामी, अमित शर्मा, दीवान सिंह गुर्जर सहित अनेक कार्यकर्ता एवं गणमान्य लोग उपस्थित रहे।

स्वामी, मुद्रक एवं प्रकाशक अभय सिंह चौहान के लिए एम बी प्रिंटर्स, सी 74 सुदर्शन पूरा, जयपुर से मुद्रित एवं 1ए देवी नगर विस्तार, देवी नगर गली नं. 6 जयपुर 302019 से प्रकाशित। सम्पादक : अभय सिंह चौहान,
मोबाइल : 9314505000 (पीआरबी एक्ट के तहत खबरों के चयन के लिए जिम्मेदार) संपादक : खलील कुरैशी, मोबाइल : 7891542929